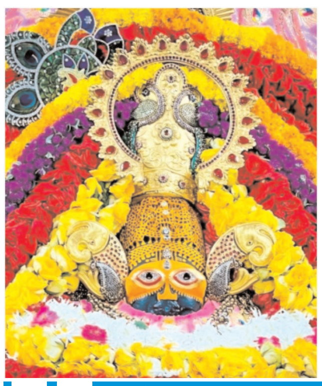

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:259। पेज:08। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (रविवार) 11 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

## प्रधानमंत्री ने आर्ट ऑफ लिविंग के ध्यान मंदिर का किया उद्घाटन

### •आध्यात्मिकता, युवा शक्ति व पर्यावरण पर दिया जोर

**एजेंसी**
**बेंगलुरु।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में कनकपुरा रोड स्थित आर्ट ऑफ लिविंग

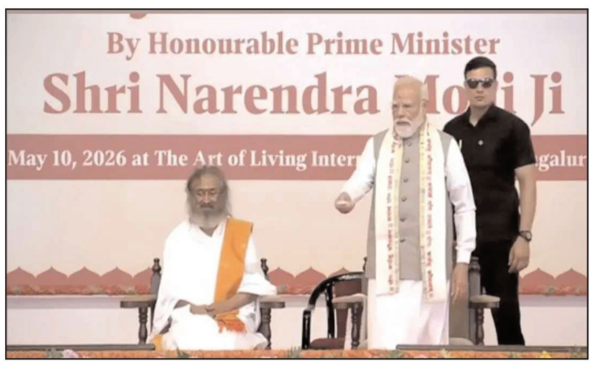


फाउंडेशन आश्रम में नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया करने के साथ ही विभिन्न उपक्रमों का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने आध्यात्मिकता, युवा शक्ति, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी विकास और समाज की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहा कि समाज की शक्ति ही राष्ट्र निर्माण का वास्तविक आधार है। केवल सरकारें देश को नहीं बदल सकतीं। जब समाज सक्रिय रूप से भागीदारी करता है, तभी राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज की सुबह मेरे लिए एक अलग अनुभव लेकर आई है। बच्चों का वैदिक मंत्रों से स्वागत, गुरुदेव का आशीर्वाद और आर्ट ऑफ लिविंग की सेवा परंपरा, ये सभी क्षण मेरी स्मृतियों में हमेशा बने रहेंगे।

**बेंगलुरु केवल तकनीक का शहर नहीं-** बेंगलुरु की विशेषता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु पूरी दुनिया में अपने सॉफ्टवेयर और सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यही शहर भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय ही बेंगलुरु की सबसे बड़ी पहचान है। आर्ट ऑफ लिविंग की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, 'जब संकल्प स्पष्ट हो और कार्य सेवा भाव से किया जाए, तब हर प्रयास सकारात्मक परिणाम देता है।

### समाज सरकार से अधिक शक्तिशाली

समाज की भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं हमेशा मानता हूं कि समाज सरकारों से अधिक शक्तिशाली होता है। कोई भी अभियान तभी सफल हो सकता है, जब उसके पीछे समाज की शक्ति खड़ी हो। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दुनिया में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेज बदलाव हो रहे हैं। भारत केवल इन परिवर्तनों का हिस्सा नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत की डिजिटल क्रांति ने देश को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक नेता बना दिया है। देश में अभूतपूर्व गति से बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है और भारत नवाचार के क्षेत्र में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बन चुका है। युवा वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारे युवा अपने उपग्रह अंतरिक्ष में भेज रहे हैं। इन उपलब्धियों के पीछे युवा शक्ति और जीवन जीने की कला की प्रेरणा है।

## तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने विजय, राहुल गांधी बोले- राज्य ने नई पीढ़ी और नई सोच को चुना

### •राहुल ने उम्मीद जताई कि विजय राज्य की जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण के बाद राहुल गांधी ने विजय को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तमिलनाडु ने 'नई पीढ़ी, नई आवाज

और नई सोच' को चुना है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि तमिलनाडु की जनता ने बदलाव के पक्ष में अपना फैसला दिया है। राहुल ने उम्मीद जताई कि विजय राज्य की जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। चेन्नई में रविवार सुबह 11 बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (माकपा) और विदुथलाई चिरुथइगल काची (वीसीके) के नेताओं ने भी हिस्सा लिया। इन दलों ने विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को समर्थन दिया है। शपथ लेने के बाद विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल का समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

## भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 मई को

### पारस्परिक संबंध होंगे मजबूत

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** भारत और अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन होगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

**'आईए स्पिरिट:** नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझीदारी' के मुख्य विषय के साथ होने वाले इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप के शीर्ष नेता और क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसका उद्देश्य भारत की विकास यात्रा को अफ्रीका के 'एजेंडा 2063' के साथ जोड़ना है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीते 23 अप्रैल को इस शिखर सम्मेलन के आधिकारिक प्रतीक चिह्न (लोगो), वेबसाइट और थीम का अनावरण किया था, जो इस दीर्घकालिक साझीदारी के बहुआयामी स्वरूप को प्रदर्शित करता है। मुख्य शिखर सम्मेलन से पूर्व कूटनीतिक स्तर पर बैठकों का दौर शुरू होगा, जिसके तहत 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और 29 मई को भारत-अफ्रीका विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की जाएगी ताकि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की जा सके। यह शिखर सम्मेलन वर्ष 2008 में नई दिल्ली से शुरू हुई उस ऐतिहासिक यात्रा का अगला चरण है, जिसने दिल्ली घोषणापत्र और

रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकासशील देशों के बीच दक्षिण-दक्षिण सहयोग की एक नई मिसाल पेश की है। सरकारी वार्ताओं के साथ-साथ इस बार सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए भारत-अफ्रीका संगीत एवं नृत्य महोत्सव, बिजनेस डायलॉग, प्रदर्शनी और ट्रैक-2 संवाद जैसे विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच जन-भागीदारी और साझा समृद्धि के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

## तमिलनाडु में एम.वी. करुप्पैया बने प्रोटेम स्पीकर

**एजेंसी**
**चेन्नई।** तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत के बीच शोलावंदन से तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) विधायक एम.वी. करुप्पैया को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। रविवार को राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। 2026 विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटों पर जीत दर्ज की और राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने में सफलता हासिल की। तमिलनाडु विधानसभा सचिवालय के अनुसार, 17वीं विधानसभा का पहला विशेष सत्र सोमवार सुबह 9:30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। प्रोटेम स्पीकर के रूप में एम.वी. करुप्पैया विधायकों को

शपथ दिलाने की जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके बाद 12 मई को विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। एम.वी. करुप्पैया का राजनीतिक सफर भी काफी दिलचस्प रहा है। उन्होंने वर्ष 2011 में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के टिकट पर शोलावंदन सीट से जीत दर्ज की थी। हालांकि, 2016 और 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्हें पार्टी से टिकट नहीं मिला। बाद में मार्च 2026 में उन्होंने टीवीके का दामन थामा और इसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में शोलावंदन (आरक्षित) सीट से जीत हासिल कर दोबारा विधानसभा पहुंचे। वहीं मुख्यमंत्री विजय ने रविवार सुबह चेन्नई सचिवालय पहुंचकर आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाला। इससे पहले जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल अर्लेकर ने विजय और उनके नौ मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय ने तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया, जबकि पेरम्बूर सीट को अपने पास बरकरार रखा। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उनका इस्तीफा मंत्रियों के.ए. सेंगोट्टैयन और पी. वेंकटरमन के माध्यम से विधानसभा के प्रमुख सचिव के. श्रीनिवासन को सौंपा गया।

## जैन मुनि को फंसाने वाले ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट का पर्दाफाश, बौखलाए साजिशकर्ता

### धर्म के दलालों की उल्टी गिनती शुरूः हार्दिक हुडिया और उसके गैंग की असलियत आई सामने, धमकियों और झूठी अफवाहों के बाद भी डटकर खड़ा है महानगर मेट्रो

**महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन**

**अहमदाबाद।** एक ऐसी घिनौनी और रोंगटे खड़े कर देने वाली साजिश का पर्दाफाश हुआ है, जिसने आस्था के नाम पर एक बदनुमा दाग लगा दिया है। ईडर में एक संगठित और नीच गिरोह ने जैन मुनि राजतिलक सागरजी महाराज की पवित्र छवि को तार-तार करने और उनसे करोड़ों रुपये की सरेआम वसूली करने के लिए एक घटिया 'हनीट्रैप' का जाल बिछाया। लेकिन 'महानगर मेट्रो न्यूज़' ने इन सफेदपोश भेड़ियों के मुंह से नकाब नोंच फेंका है, जिसके बाद से इस पूरे ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट में दहशत और छटपटाहट का माहौल है।

#### साजिशकर्ताओं के नाम और उनके काले चिट्ठे बेनकाब

सूत्रों के हवाले से यह बिल्कुल साफ हो चुका है कि इस महा-पाप के पीछे जगत पारेख, विक्रम सिंघवी, हार्दिक हुडिया और विक्रम बाफना जैसे शातिर साजिशकर्ताओं का हाथ है। ये वो लोग हैं जो जैन समाज के प्रतिष्ठित चेहरों को अपना शिकार बनाकर धन उगाही का गंदा धंधा चलाते हैं। लेकिन पुलिस की पारदर्शी जांच और शिकायतकर्ता किरण दोशी व उनकी पत्नी के हलफनामे ने इनकी साजिश की धज्जियां उड़ा दीं। हलफनामे में सरेआम कबूल किया गया कि यह पूरी एफआईआर और हनीट्रैप का नाटक सिर्फ और सिर्फ पैसों की हवस मिटाने के लिए रचा गया था। मुनिराज पूरी तरह से बेदाग और निर्दोष साबित हुए हैं।

#### महानगर मेट्रो के खुलासे से बौखलाए ब्लैकमेलर्स, धमकियों पर उतरे

जब महानगर मेट्रो ने निडर पत्रकारिता की मिसाल पेश करते हुए इन धर्म के दलालों का काला चिट्ठा पूरे देश के सामने खोला, तो इनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बुरी तरह तिलमिलाए और अपने बचाव में हर तरफ हाथ-पैर मार रहे इन साजिशकर्ताओं ने अब नीचता की सारी हदें पार कर दी हैं। अपनी पोल खुलती देख इन्होंने चैनल की साख पर कीचड़ उछालने, झूठी अफवाहें फैलाने और तो और ग्रुप एडिटर पवन माकन को धमकाने की कायराना कोशिश की है।

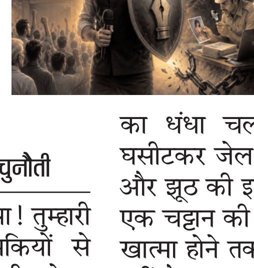

#### सफेदपोश हुडिया और उसके गैंग को खुली चुनौती

अरे कान खोलकर सुन लो सफेदपोश हुडिया! तुम्हारी इन गीदड़ भभकियों और खोखली धमकियों से महानगर मेट्रो न तो डरा है, और न ही कभी डरेगा। तुम्हारी असलियत अब पूरे देश के सामने आ चुकी है और तुम्हारे इस घिनौने पाप में अब तुम्हारे साथ कोई खड़ा नहीं है। महानगर मेट्रो के ग्रुप एडिटर पवन माकन ने साफ और दो टूक शब्दों में चेतावनी दे दी है कि महानगर मेट्रो न कभी झुका है और न ही कभी बिकेगा। सच को दबाने वालों को चुन-चुन कर बेनकाब किया जाएगा।

#### जैन समाज में धधक रहा है आक्रोश का ज्वालामुखी

इस खौफनाक खुलासे के बाद पूरे जैन समाज में इन साजिशकर्ताओं के खिलाफ भयंकर उबाल है। इसे सिर्फ एक संत पर हमला नहीं, बल्कि पूरे जैन धर्म की आस्था और पवित्रता पर एक सोची-समझी आतंकी चोट माना जा रहा है। अब पूरे देश से एक ही आवाज गूंज रही है कि धर्म की आड़ में ब्लैकमेलिंग का धंधा चलाने वाले इन सफेदपोश चेहरों को घसीटकर जेल की सलाखों के पीछे डाला जाए। सच और झूठ की इस आर-पार की लड़ाई में महानगर मेट्रो एक चट्टान की तरह खड़ा है और इन गिद्धों का जड़ से खात्मा होने तक हमारा यह महा-अभियान रुकने वाला नहीं है।

## 'पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से करें इस्तेमाल'

### देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा।

**एजेंसी**
**हैदराबाद।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों

का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि इससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा। हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही।

**पीएम मोदी ने पेट्रोलियम उत्पादों को लेकर क्या कहा?**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा।

### तेलंगाना के विकास को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा?

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को केंद्र के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अलग-अलग दलों की सरकार होना गलत नहीं है, लेकिन राज्य और देश के विकास के लिए साथ मिलकर काम करना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर राज्य आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए और तेज गति से काम करती रहेगी।

## प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का किया उद्घाटन

**हैदराबाद।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल शहर और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अस्पताल की टीम ने आधुनिक तकनीक के समावेश पर विशेष ध्यान दिया है, जो सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु अस्पताल के शुरू होने से हैदराबाद और आसपास के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने इसे स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

## अमित शाह ने लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक के दौरान संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की जानी चाहिए। श्री शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन दल (एफसीएमटी) गठित और सक्रिय किए जाने चाहिए। आपदाओं के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी दिशानिर्देशों से जागरूकता बढ़ी है और समग्र सरकारी दृष्टिकोण विकसित हुआ है लेकिन राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करने से इनके कार्यान्वयन को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने एनडीएमए को एक अध्ययन करना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने राज्य वन अग्नि, लू और बाढ़ से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के निर्देशों और एनडीएमए के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल भंडारण और चेक डैम परियोजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार की अधिक संभावनाओं का पता लगाया जाना चाहिए। हमारा उद्देश्य नदियों पर चेक डैम बनाकर जल संरक्षण करना और साथ ही लू के प्रभाव को कम करना होना चाहिए।

## मध्य प्रदेश में पीएमजीएसवाई-4 की शुरुआत

### •शिवराज ने ग्रामीण विकास के लिए हजारों करोड़ की सौगात दी

**एजेंसी**
**सीहोर।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के भैरूंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में पीएमजीएसवाई-4 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने राज्य के लिए ग्रामीण सड़क, आवास और विकास से जुड़ी हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं और स्वीकृतियों की घोषणा की।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान, प्रदेश मंत्री करण सिंह वर्मा, जनप्रतिनिधि तथा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गांव की सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि समृद्धि, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अवसरों का मार्ग हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के जीवन में ठोस और प्रत्यक्ष परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से समृद्ध, आत्मनिर्भर, विकसित और आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण विकास की योजनाओं का उद्देश्य विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश को पीएमजीएसवाई-4 के तहत 2,117.52 किलोमीटर लंबाई वाली 973 सड़कों की स्वीकृति दी गई, जिनकी अनुमानित लागत 1,763.08 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं से राज्य की 987 बस्तियों को

लाभ मिलने और ग्रामीण संपर्क व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद जताई गई है। विदिशा संसदीय क्षेत्र के लिए अलग से 600.393 किलोमीटर लंबाई वाली 259 सड़कों को मंजूरी दी गई, जिससे 264 बस्तियों को लाभ मिलेगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विदिशा संसदीय क्षेत्र में 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़कें बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि कोई भी गांव सड़क संपर्क से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के मानकों और पात्रता को पूरा करने वाली सभी सड़कों को मंजूरी दी जाएगी। क्षेत्रीय विकास से जुड़ी स्थानीय मांगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन पर व्यावहारिक और ठोस निर्णय लिए जाएंगे।

## अहमदाबादः धोलका-बगोदरा हाईवे पर शराब से लदा ट्रक पलटा, 'सीक्रेट केबिन' का हुआ पर्दाफाश!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबादः** आज सुबह (10 मई) अहमदाबाद में धोलका-बगोदरा हाईवे पर एक एक्सीडेंट हुआ, जिसमें बड़ी मात्रा में गैर-कानूनी तरीके से ले जाई जा रही विदेशी शराब जब्त की गई। जब गंगाड गांव के पास शराब से लदा आइसर ट्रक पलटा, तो चुपके से छिपाई गई शराब की बोतलें सड़क पर बिखर गईं।

### स्टीयरिंग पर कंट्रोल खोने से हुआ एक्सीडेंट

मिली जानकारी के मुताबिक, एक आइसर ट्रक धोलका से बगोदरा जा रहा था। सुबह-सुबह गंगाड गांव के पास ट्रक ड्राइवर का अचानक स्टीयरिंग पर कंट्रोल खो गया, जिससे ट्रक सड़क पर पलट गया। एक्सीडेंट होते ही ट्रक ड्राइवर पुलिस की पकड़ से बचने के लिए गाड़ी छोड़कर भाग गया।

### ट्रक के 'चोर' डिब्बे में शराब छिपाई गई थी

एक्सीडेंट की खबर मिलते ही लोकल लोग और बगोदरा पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस की जांच में चौंकाने वाली बातें सामने आईं। आइसर ट्रक के अंदर एक खास तरह का 'चोर कम्पार्टमेंट' तैयार किया गया था। जब ट्रक पलटा, तो इस सीक्रेट कम्पार्टमेंट में छिपाई गई विदेशी शराब बाहर आ गई। पलटने से शराब की कई बोतलें फट गईं और शराब सड़क पर बहने लगी। पुलिस की कार्रवाई और जांच बगोदरा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शराब की मात्रा को जब्त करने और पंचनामा करने की कार्रवाई की। पुलिस ने गाड़ी नंबर के आधार पर मालिक और ड्राइवर की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ट्रक से बरामद शराब की मात्रा और बोतलों की संख्या की सही कीमत का हिसाब लगाया जा रहा है।

## हरियाणा से लाई गई 76 लाख की शराब ज़ब्तः सरखेज पुलिस ने ड्राइवर को 1 करोड़ रुपये कैश के साथ गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** में सरखेज पुलिस ने S.P. रिंग रोड पर एक ट्रक से लाखों रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त करके बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने करीब 76 लाख रुपये की शराब ज़ब्त की है, जो पतंजलि कंपनी के प्रोडक्ट्स की आड़ में हरियाणा से लाई गई थी। पुलिस ने इस मामले में ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है।

### सूचना के आधार पर कार्रवाई

सरखेज पुलिस स्टेशन के P.I. L.L. चावड़ा और P.S.I. A.R. बोडिया की टीम को खास जानकारी मिली थी कि बकरोल सर्कल से सनाथल सर्कल की ओर जाने वाले S.P. रिंग रोड से बड़ी मात्रा में शराब गुजरने वाली है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने निगरानी रखी और एक संदिग्ध ट्रक को रोका। पतंजलि के कार्टन और आटे की बोरियों के नीचे छिपाई गई थी शराब जब पुलिस ने ट्रक की जांच की, तो शुरू में उसमें पतंजलि कंपनी के अलग-अलग प्रोडक्ट के कार्टन मिले। लेकिन, करीब से जांच करने पर, पतंजलि के डिब्बों और आटे की बोरियों के नीचे कुल 9,624 विदेशी शराब की बोतलें छिपी मिलीं। बाजार कीमत के हिसाब से, इस शराब की कीमत लगभग 76.56 लाख रुपये है।

**1.01 करोड़ का सामान जब्त** इस कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने 76.56 लाख रुपये की शराब, 10 लाख रुपये के पतंजलि प्रोडक्ट और ट्रक, कुल 1.01 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। ड्राइवर गिरफ्तार, मुख्य साजिशकर्ता फरार पुलिस ने ट्रक ड्राइवर वगताराम बेनीवाल (राजस्थान का रहने वाला) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच में पता चला कि उसने हरियाणा के हरीश चौधरी नाम के एक व्यक्ति के कहने पर शराब लोड की थी और उसे सानंद रोड पर छोड़ना था।

## हेडलाइनः सड़क सुरक्षा पर गांधीनगर RTO का जोरः रक्षा शक्ति सर्कल पर ड्राइवरों को पढ़ाया जा रहा ट्रैफिक नियमों का पाठ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** रक्षा शक्ति सर्कल पर गाड़ियों की भारी भीड़ के बीच ड्राइवरों को बताने का यह काम पूरा हुआ। इस पूरी एक्टिविटी के दौरान, RTO स्टाफ ने ड्राइवरों को डिसिप्लिन में गाड़ी चलाने के निर्देश दिए। मोबाइल वैन के इस ऑपरेशन का मुख्य मकसद लोगों में ट्रैफिक नियमों के बारे में अवेयरनेस पैदा करना था। RTO डिपार्टमेंट ने इस तरह का इवेंट इसलिए ऑर्गनाइज़ किया था ताकि इस इलाके में घूमने वाले लोगों तक नियमों की डिटेल पहुँच सके। खास तरह की TEAM वैन तैयार की गई गांधीनगर RTO ने रक्षा शक्ति सर्कल पर ट्रैफिक एजुकेशन के लिए एक खास तरह की वैन का इस्तेमाल किया। इस खास वैन को TEAM (ट्रैफिक एजुकेशन एंड अवेयरनेस मोबाइल) वैन के नाम से जाना जाता है, जिसमें LED स्क्रीन लगी है। इस स्क्रीन के ज़रिए सड़क पर गाड़ी चलाने वालों को ट्रैफिक नियमों और सेफ्टी के बारे में वीडियो दिखाए जा रहे हैं।

# गांधीनगरः गले के कैंसर से परेशान 55 वर्षीय व्यक्ति ने नर्मदा नहर में कूदकर दी जान, जेब से मिला सुसाइड नोट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** के रायसन इलाके में रहने वाले और ओधव में प्राइवेट नौकरी करने वाले 55 साल के अधेड़ उम्र के आदमी गुरुवार रात से अजीब हालात में लापता हो गए थे। आज सुबह उनकी बॉडी झुंडाल, अडालज में नर्मदा नहर में मिली, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। इस मामले में अडालज पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि अधेड़ उम्र के आदमी ने कैंसर से थकान के कारण सुसाइड किया।

### वह घर से मूवी देखने के लिए निकला था

गांधीनगर। के रायसन इलाके में रहने वाले और ओधव में प्राइवेट नौकरी करने वाले 55 साल के अधेड़ उम्र के आदमी गुरुवार रात मूवी देखने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वे वापस नहीं लौटे। मामले की जानकारी इंफोसिटी पुलिस स्टेशन को दी गई। फिर आज, अडालज पुलिस ने झुंडाल नहर में अधेड़ उम्र के आदमी की बॉडी मिलने के बाद एक्सीडेंटल मौत का केस दर्ज किया है। देर रात कॉल करते समय मोबाइल फ़ोन बंद हो गया था मिली जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर के रायसन में सार्थक हेवन के रहने वाले भरतभाई लक्ष्मणभाई पटेल गुरुवार रात करीब 9:30 बजे अपने घर से यह कहकर निकले थे कि वह तपोवन सर्कल के पास मूवी देखने जा रहे हैं। जब वह देर रात तक घर नहीं लौटे, तो परिवार ने उनसे कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की। लेकिन उनका मोबाइल फ़ोन बंद था। अडालज पुलिस स्टेशन के हेड कांस्टेबल समेत एक टीम नहर पर पहुंची। शुक्रवार सुबह इस बात की जानकारी उनके भाई बिपिनकुमार पटेल को दी गई। बाद में, परिवार वालों ने लापता भरतभाई को ढूंढना शुरू किया। सोसाइटी के CCTV फुटेज चेक करते समय, उन्होंने उन्हें रात 9.30 बजे सोसाइटी के बाहर घूमते हुए देखा। उनके रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों से पता करने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला। आखिर में, इन्फोसिटी पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई और जांच शुरू की गई। आज सुबह, अडालज पुलिस स्टेशन के हेड कांस्टेबल पंकज प्रजापति समेत एक टीम झुंडाल नहर में एक अनजान आदमी की लाश तैरती हुई मिलने पर नहर पर पहुंची। बाद में, फायर ब्रिगेड की मदद से लाश को

### सुसाइड नोट में लिखा था कि उसने गले के कैंसर की वजह से अपनी जान दे दी।

इस बारे में, हेड कांस्टेबल पंकजभाई ने कहा कि अनजान लाश की पहचान भरतभाई लक्ष्मणभाई पटेल के तौर पर हुई है। मरने वाले की जेब से एक मोबाइल फोन और प्लास्टिक बैग में पैक एक सुसाइड नोट मिला। नोट में भरतभाई ने लिखा था कि वह गले के कैंसर से तंग आकर यह कदम उठा रहा है। और नीचे उसके भाई और उसके कारीगर का मोबाइल नंबर है। जिसके आधार पर, यह कन्फर्म हो गया कि लाश भरतभाई की ही है। मरने वाले का बेटा अमेरिका में ग्रीन कार्ड होल्डर है। वह पिछले एक हफ्ते से दांतों के इलाज के लिए गांधीनगर आया हुआ है।

## अहमदाबादः पुलिस का आरोप है कि रात में गार्डन में खेलने गए बच्चों को पुलिस ने पीटाः वीडियो बना रही लड़कियों से पुलिस की झड़प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वासना।** अहमदाबाद के वासना इलाके में पुलिस के काम पर गंभीर सवाल उठे हैं। आरोप है कि पुलिसवालों ने गार्डन में खेलने गए दो नाबालिग बच्चों पर हाथ उठाया और वीडियो बना रही लड़कियों से बदतमीज़ी की और उनसे झड़प की। पूरी घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें गुस्साई लड़की पुलिसवाले को गालियां दे रही है। इस घटना के बाद लड़की ने पुलिस कमिश्नर को लिखकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

### चोरी के शक में बच्चों को धमकाया

पुलिस कमिश्नर को दी गई अर्जी के मुताबिक, 8 मई 2026 की रात करीब 11 बजे 9 और 11 साल के दो नाबालिग भाई वासना के सीनियर सिटीजन पार्क के पास खेलने गए थे। गार्डन का गेट खुला होने की वजह से बच्चे अंदर घुस गए। इस बीच, सिक्योरिटी गार्ड ने बच्चों को 'चोर' समझकर उनका डंडों से पीछा किया, जिससे बच्चे डर गए और अपनी साइकिलें छोड़कर पार्क की रेलिंग फांदकर भाग गए। PCR वैन के एक पुलिसवाले पर थप्पड़ मारने का आरोप जब बच्चे कुछ मिनट बाद लौटे, तो वहां खड़ी PCR वैन (एक यूनिफॉर्म में और एक सादे कपड़ों में) के दो पुलिसवालों में से एक पर 11 साल के बच्चे को थप्पड़ मारने का आरोप लगा है। पुलिसवालों ने बच्चों पर चोरी का झूठा आरोप लगाया और उन्हें थाने ले जाने की धमकी दी और उनके परिवार को मौके पर बुलाया। लड़कियों के साथ मारपीट और मोबाइल फोन छीना जब बच्चों के परिवार की लड़कियां और महिलाएं मौके पर पहुंचीं, तो उन्होंने पुलिस की बदसलूकी को रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया। यह भी आरोप है कि गुस्साए पुलिसवालों ने लड़की के हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और उसे डांटा। दूसरी ओर, पुलिस द्वारा जारी वीडियो में पुलिस ने महिलाओं से गाली-गलौज न करने और शांति बनाए रखने की रिक्वेस्ट की है। महिलाओं ने पुलिस को गाली दी, पुलिस ने कोई बदतमीज़ी नहीं कीः PI इस मामले में वासना पुलिस स्टेशन के PI ने कहा कि रात 12 बजे सीनियर सिटीजन पार्क में बच्चे थे। जब पुलिस को गार्डन में चोरी का पता चला तो PCR वैन आ गई। जिसमें एक आउटसोर्स ड्राइवर और एक पुलिसकर्मी था। दोनों बच्चे गार्डन में छिप गए, तो ड्राइवर उन्हें बाहर ले गया।

## ससुराल वालों की टॉर्चर से तंग आकर पत्नी ने की आत्महत्या, पति और सास के खिलाफ पुलिस में शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वेजलपुर।** अहमदाबाद के वेजलपुर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक पत्नी ने अपने ससुराल वालों की लगातार मेंटल और फिजिकल टॉर्चर से तंग आकर अपने बेडरूम में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस मामले में वेजलपुर पुलिस ने मृतक पत्नी को उसके पति और सास के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है।

### शादी के दो महीने के अंदर ही शुरू हो गया था टॉर्चर

मिली जानकारी के मुताबिक, वेजलपुर के शांतिनाथ अपार्टमेंट में रहने वाले किशोरभाई मालवीय की बेटी की शादी मार्च 2025 में न्यू वासना के श्रेयांक ठाकोर से हुई थी। शादी के दो महीने बाद ही ससुराल वालों ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। ससुराल वालों ने ब्यूटी पार्लर में काम करने वाली पत्नी की पूरी सैलरी घर के खर्चों में लगा दी, जबकि पति ने अपनी कमाई स्टॉक मार्केट में लगा दी। पत्नी पर अत्याचार पत्नी के पिता की शिकायत में ससुराल वालों के अत्याचार की चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं, जिसमें उस पर नया टू-व्हीलर खरीदने के लिए घाट से 20,000 रुपये लाने का दबाव डाला जाता था। पीरियड्स के दौरान घर में परेशान न करने के बहाने सास हर महीने एक हफ्ते के लिए उसकी घाट से निकाल देती थी। पति को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था, जैसे उसे बूट और मोजे पहनने के लिए मजबूर करना और थक हुए घर आने पर भी आराम नहीं करने देना। इसके अलावा, पत्नी अपने पति से 50,000 रुपये चाहती थी, जो उसने अपनी पुरानी ऑल्टो कार बेचकर मांगे थे, जिसके लिए लगातार झगड़े होते थे।

### आखिरी फोन कॉल और सुसाइड

कार बेचने के पैसों को लेकर झगड़े के बाद पत्नी 20 अप्रैल को घाट पर आई थी। 24 अप्रैल को, जब उसके माता-पिता बाहर गए थे, तो उसने बेडरूम में पंखे से दुपट्टा बांधकर सुसाइड कर लिया। आत्महत्या करने से पहले उसने अपने पति श्रेयांक से 4 मिनट बात की थी और WhatsApp पर तलाक को लेकर भी बातचीत हुई थी। दुल्हन के पिता की शिकायत के आधार पर वेजलपुर पुलिस ने उसके पति श्रेयांक और सास रेखाबेन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पहले भी पति के दूसरे रिश्तों की वजह से तलाक के कागज तैयार किए गए थे, लेकिन उस समय समझौता हो गया था।

## गांधीनगरः देहगाम में छोटे भाई की नींद खराब होने पर भैंस चराने जाने को कहाः भाई ने हथौड़े से मारकर बड़े भाई की हत्या कर दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** जिले के देहगाम तालुका के हरखजी के मुवाडा गांव में नींद खराब होने पर इंसान कितना हिंसक हो सकता है, इसकी एक दुखद कहानी सामने आई है। भैंस चराने जाने जैसी मामूली बात पर हुए झगड़े में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई के सिर पर लकड़ी के हथौड़े से वार करके उसकी हत्या कर दी। इस घटना के संबंध में मां ने अपने ही छोटे बेटे के खिलाफ देहगाम पुलिस स्टेशन में हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। बड़े भाई ने उसे जगाकर भैंस चराने जाने को कहा, और झगड़ा हो गया मिली जानकारी के अनुसार, 26 अप्रैल को सुबह करीब 8 बजे हरखजी के मुवाडा गांव के निशालवाला वास का रहने वाला अर्जुन सिंह

उर्फ ??मेहुल भीखूसिंह चौहान सो रहा था। इस दौरान उसके बड़े भाई करण सिंह उर्फ मोंटू ने उसे जगाकर भैंस चराने जाने को कहा। मेहुल ने करण सिंह के सिर पर लकड़ी का डंडा फेंका हालांकि, जब मेहुल ने थोड़ी देर बाद उसे जाने के लिए कहा, तो दोनों भाइयों के बीच तीखी बहस और हाथापाई शुरू हो गई। और मामला और उलझ गया, मेहुल ने पास में पड़ी लकड़ी का डंडा करण सिंह के सिर पर फेंक दिया। जिससे करण सिंह के सिर में गंभीर चोट आई और उसे तुरंत देहगाम सरकारी अस्पताल और फिर आगे के इलाज के लिए गांधीनगर सिविल अस्पताल ले जाया गया।

### पिता ने पुलिस को झूठी जानकारी दी

हालांकि, परिवार ने पुलिस से असली बात छिपाई। उस समय पिता भीखूसिंह ने पुलिस को बताया कि करण सिंह एक्टिवा से गिरने के बाद घायल हो गया था। उसके बाद उसे अहमदाबाद सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके सिर का ऑपरेशन भी हुआ। इलाज के बाद उसकी मौत हो गई और मां ने शिकायत दर्ज कराई लेकिन अहमदाबाद सिविल में 13 दिन के लंबे इलाज के बाद आखिरकार करण सिंह की मौत हो गई। फिर, बेटे की मौत के बाद मां जबाबेन चौहान ने हिम्मत जुटाई और देहगाम पुलिस स्टेशन में पूरी सच्चाई बताई। जिसके बाद पुलिस ने मां की शिकायत के आधार पर आरोपी बेटे अर्जुन सिंह उर्फ मेहुल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

# साइकिल चोरी के शक में पुलिस ने नाबालिग को जड़ा थप्पड़ ?

## वासना के हरेन पंड्या गार्डन की घटना; लड़की ने पुलिस पर मारपीट और फोन छीनने का आरोप लगाते हुए कमिश्नर से की शिकायत, वहीं पुलिस ने आरोपों को झूठा बताते हुए लड़की के खिलाफ ही केस दर्ज करने की दी चेतावनी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** बीती रात (9 मई) अहमदाबाद के वासना में हरेन पंड्या गार्डन में सिक्योरिटी गार्ड ने दो नाबालिगों पर साइकिल चोरी के शक में पुलिस को बुलाया। जिसके बाद पुलिसवाले ने एक नाबालिग को थप्पड़ मारा और उसके परिवार को बुला लिया। जिसके बाद नाबालिग की दो बहनों की पुलिस से तीखी बहस हुई। जिसके बाद लड़की ने अपने मोबाइल फ़ोन पर वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और पुलिसवाले ने उसके साथ बदतमीज़ी की। लड़की ने इस बारे में पुलिस कमिश्नर से लिखकर शिकायत की है। दूसरी ओर, वासना पुलिस और चौकीदार ने इन सभी आरोपों से इनकार किया है। फिर गुजरात समाचार डिजिटल ने शिकायत करने वाली लड़की, गार्डन के चौकीदार और PI से बात की। जिसमें अलग-अलग बयान सामने आए हैं।

### लड़की के गंभीर आरोप

घटना के बारे में लड़की ने कहा, 'मेरे 9 और 11 साल के भाई रात करीब 10 बजे आइसक्रीम खाने गए थे और अपनी साइकिल गार्डन के बाहर खड़ी करके अंदर चले गए। जब ??वॉचमैन ने लड़कों पर साइकिल चोरी का आरोप लगाया, तो उसने पुलिस को बुला लिया। माता-पिता को बताए बिना, पुलिस ने मेरे छोटे भाई को दो थप्पड़ मारे। जब मेरी बड़ी बहन ने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की, तो पुलिस ने उसे धक्का दिया और उसका फोन छीन लिया। जब मैंने अपना फोन निकाला, तो अहीर नाम के एक पुलिसवाले ने मुझे भी थप्पड़ मारने और लात मारने की कोशिश की। हमने पुलिस को गाली नहीं दी, लेकिन वे वॉचमैन के परिवार को गाली दे रहे थे।' पुलिस स्टेशन में शिकायत के बारे में लड़की ने कहा, 'जब हम रात 12 बजे शिकायत करने पुलिस स्टेशन गए, तो हमारी बात सुनने के बजाय, वे अंदर ही हंसी-मजाक कर रहे थे और हमारी एप्लीकेशन भी नहीं लिख रहे थे, इसलिए हमें बाहर दूसरी पुलिस गाड़ी बुलानी पड़ी और सारी कार्रवाई करवानी पड़ी। जब हमने साइकिल का सबूत दिया, तो वे अपनी बात से पलट गए और नया इल्ज़ाम लगा दिया कि मेरे भाइयों ने छह महीने पहले छड़ी चुराई थी।'

### सिक्योरिटी गार्ड का क्या कहना है?

गार्डन के वॉचमैन ने कहा, 'गार्डन रात में 10-11 बजे बंद हो जाता है, लेकिन रात के करीब 12.30 बजे ये लोग नेट फांदकर अंदर आ गए। गर्मी थी, इसलिए मैं उस समय नहाने बैठा था और मेरी मम्मी ने देखा कि कोई अंदर कूद गया है। मैं बाहर आया और चिल्लाया कि जो भी हो, बाहर आ जाओ, नहीं तो पकड़े गए तो जान से मार दूंगा। यह सुनकर वे कूदकर भाग गए, थोड़ा आगे खड़ी एक्टिवा स्टार्ट करके चले गए। वे तीन लड़के थे और उनकी एक-दो साइकिलें गार्डन के सामने पत्तों के ढेर के पास पड़ी थीं। यही लड़के छह महीने पहले आए थे और गार्डन में झाड़ियां तोड़ दी थीं। उस समय मेरे पिता, जो दिहाड़ी मज़दूरी करते थे, ने उन्हें डांटा था, इसलिए ये लड़के और उनके घर की औरतें मेरे घर आईं और मेरे पिता से झगड़ा किया, उन्हें पीटना शुरू कर दिया और हमारी लाठी भी ले ली। हालांकि, हमने उन्हें तब जाने दिया और कोई शिकायत नहीं की।'

लड़की ने पुलिस कमिश्नर के पास अर्जी दी

लड़की ने पुलिस कमिश्नर को लेटर लिखकर अर्जी दी है। जिसमें उसने पुलिसवाले के गलत बर्ताव के बारे में बताया। जिसमें लिखा था कि 8 मई, 2026 को रात करीब 11 बजे, शिकायत करने वाली लड़की के 9 और 11 साल के दो नाबालिग भाई और उसकी एक दोस्त सीनियर सिटीजन पार्क में खेलने और सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाने गए थे। गार्डन की लाइट बंद थी लेकिन गेट खुला होने की वजह से वे अंदर चले गए, लेकिन वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें साइकिल चोर समझ लिया और लाठी लेकर उनके पीछे दौड़ा। इस बीच, बच्चे डर के मारे अपनी साइकिलें वहीं छोड़कर भाग गए, लेकिन जब वे साइकिलें लेने वापस आए तो सिक्योरिटी गार्ड ने पहले ही PCR वैन बुला ली थी। मौके पर मौजूद दो पुलिसवालों में से एक ने सिविल ड्रेस में शिकायत करने वाली लड़की के 11 साल के नाबालिग भाई को थप्पड़ मारा और बच्चों पर चोरी का झूठा इल्ज़ाम लगाकर उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाने की धमकी दी। पुलिस ने बिना किसी इजाज़त के नाबालिग का मोबाइल फ़ोन छीनकर चेक किया और इसके

बाद उसके परिवार को फ़ोन किया। जब परिवार मौके पर पहुँचा और नाबालिग बच्चे पर हमले के बारे में पता चला, तो लड़की सबूत के लिए अपने मोबाइल पर पूरी घटना का वीडियो बना रही थी। इसलिए, अर्ज़ी में सीनियर सिटीज़न पार्क के सिक्योरिटी गार्ड और सिविल ड्रेस में मौजूद पुलिस अफ़सर के खिलाफ़ कार्रवाई करने की मांग की गई है। पूरा मामला पुलिस के पक्ष में है।

## तेलंगाना में विकास की महाक्रांतिः पीएम मोदी ने दी 9,500 करोड़ की सौगात, एयरपोर्ट जैसा बनेगा सिकंदराबाद स्टेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**हैदराबाद।** केंद्र सरकार ने तेलंगाना के चहुंमुखी विकास को रफ्तार देने के लिए अपना खजाना खोल दिया है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद पहुंचकर राज्य को ऐतिहासिक सौगात दी। पीएम मोदी ने एचआईसीसी से वर्चुअल माध्यम से 9,500 करोड़ रुपये की विशाल विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित एक विशाल जनसभा में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हुंकार भरते हुए स्पष्ट किया कि मोदी सरकार तेलंगाना की प्रगति और समृद्धि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

### रेलवे और कनेक्टिविटी पर विशेष जोर

जनसभा को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने बताया कि राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर की तस्वीर अब पूरी तरह बदलने वाली है। पूरे तेलंगाना में एक साथ 42 रेलवे स्टेशनों का विश्वस्तरीय विकास किया जा रहा है। इसमें सबसे अहम सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन है, जिसे एक अत्याधुनिक हवाई अड्डे की तर्ज पर संवारा जाएगा। इसके साथ ही, व्यापार और यातायात को सुगम बनाने के लिए 'क्षेत्रीय रिंग रोड' (रीजनल रिंग रोड) का काम भी जल्द शुरू होने जा रहा है। मंत्री ने जोर देते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में हम एक 'विकसित भारत' के निर्माण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। '

### पूर्व मुख्यमंत्री के रवैये पर तीखा प्रहार

विकास कार्यों की चर्चा के बीच किशन रेड्डी ने पूर्ववर्ती राज्य सरकार पर भी तीखा राजनीतिक वार किया। उन्होंने पिछली सरकार के असहयोगात्मक रवैये की आलोचना करते हुए जनता को याद दिलाया कि अतीत में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कई बार पीएम मोदी के तेलंगाना दौरों का बहिष्कार किया था और विकास कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी थी। पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को नई उड़ान देने वाली इन प्रमुख परियोजनाओं ने राज्य में रोजगार के नए दरवाजे खोल दिए हैंः सड़क नेटवर्कः 3,180 करोड़ रुपये की भारी लागत वाली नई सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। स्मार्ट सिटीः 2,360 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली आधुनिक 'औद्योगिक स्मार्ट सिटी' का शिलान्यास किया गया। टेक्सटाइल हब 1,700 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 'काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क' का भव्य उद्घाटन हुआ। रेलवे लाइन विस्तारः 1,243 करोड़ रुपये की लागत से काजीपेट-विजयवाड़ा रेल मार्ग को तिहरा करने का काम प्रगति पर है। टर्मिनल और बाईपासः 610 करोड़ रुपये की लागत से नए आईओएल टर्मिनल और 300 करोड़ रुपये से निर्मित अंडर-रेल बाईपास लाइन की शुरुआत की गई।

## नया इतिहास 3950 विद्यार्थियों को रोजगार अवसर, 1550 को मिले नियुक्ति पत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कीर्तिमान स्थापित करते हुए एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज (ऑटोनॉमस) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में रिकॉर्ड प्लेसमेंट हासिल किया है। कॉलेज के 3950 विद्यार्थियों को देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर मिले हैं, जिनमें से अब तक 1550 छात्र-छात्राओं को नियुक्ति पत्र भी जारी किए जा चुके हैं। कॉलेज की इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने उसे प्रदेश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों की कतार में ला खड़ा किया है। प्लेसमेंट प्रक्रिया में बैंकिंग, आईटी, एविएशन, ऑटोमोबाइल, फाइनेंस और कॉर्पोरेट सेक्टर की कई बड़ी कंपनियों ने भाग लिया। इनमें HDFC Bank, Deloitte, Larsen & Toubro, Deutsche Bank, IndiGo, Adani Group, Infosys, ICICI Bank A&is Bank जैसी नामी कंपनियां शामिल रहीं। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रेणु जोशी ने बताया कि यह सफलता छात्र-केंद्रित शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और उद्योग आधारित प्रशिक्षण का परिणाम है। कॉलेज विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल और प्रोफेशनल दक्षता भी प्रदान कर रहा है। प्लेसमेंट विभाग प्रमुख कपिल भागी ने कहा कि लगातार प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और करियर मार्गदर्शन ने विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट दुनिया के लिए तैयार किया है। वहीं संयोजक विनय चंद डागा ने सभी कंपनियों का आभार जताया।

## तेलंगाना से 'सौतेला व्यवहार' और BRS से 'फेविकोल का जोड़': येन्नेम श्रीनिवास रेड्डी का BJP पर तीखा प्रहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**हैदराबाद।** सरकारी सचेतक येन्नेम श्रीनिवास रेड्डी ने रविवार को तेलंगाना के प्रति केंद्र सरकार के रवैये को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पिछले 12 सालों में तेलंगाना को दिए गए केंद्रीय फंड का हिसाब मांगते हुए भाजपा पर 'सौतेले व्यवहार' का गंभीर आरोप लगाया है।

### परियोजनाओं और फंड्स में भारी भेदभाव

रेड्डी ने सवाल उठाया कि जब आंध्र प्रदेश की पोलावरम परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा मिल सकता है, तो तेलंगाना की 'पालमुरु-रंगा रेड्डी' परियोजना को क्यों नहीं? उन्होंने तल्ख लहजे में पूछा, 'क्या पालमुरु के बच्चे भारत का हिस्सा नहीं हैं? 'उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आंध्र की राजधानी अमरावती और गुजरात में औद्योगिक विकास के लिए दिल खोलकर पैसा दे रही है, लेकिन हैदराबाद मेट्रो के विस्तार और 'भारत फ्यूचर सिटी' के लिए एक रुपया भी नहीं दिया गया। मजबूरन राज्य सरकार को अपने खर्चे पर ये प्रोजेक्ट करने पड़ रहे हैं। रेड्डी ने भाजपा और बीआरएस के बीच गुप्त समझौते का आरोप लगाते हुए इनके रिश्ते को 'फेविकोल के जोड़' से भी मजबूत बताया। उन्होंने याद दिलाया कि पीएम मोदी ने खुद 'कालेश्वरम प्रोजेक्ट' को एटीएम और केसीआर परिवार को देश का सबसे भ्रष्ट बताया था। इसके बावजूद, '100 दिन में केसीआर को जेल भेजने' का दावा करने वाली भाजपा सरकार की ईडी और सीबीआई आज खामोश क्यों हैं? अंत में उन्होंने राज्य के भाजपा सांसदों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे तेलंगाना के विकास और फंड के लिए काम करने के बजाय सिर्फ बेबुनियाद शोर मचाते हैं

# विशेष पड़ताल : डबल इंजन से भी नहीं आई टोंक में ट्रेन 'अभागा' जिला या सियासत की 'बलि का बकरा'?

## मैं उस अभागे जिले का प्रतिनिधित्व करता हूं, जहां के लोगों ने आज तक अपने शहर में रेल नहीं देखी : सांसद हरीश चंद्र मीणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**टोंक।** राजस्थान की सियासत में टोंक आज एक ऐसा 'अभागा टापू' बन चुका है, जहाँ विकास की लहरें आने से पहले ही राजनीति की चट्टानों से टकराकर दम तोड़ देती हैं। सत्ता की मलाई चाटने वाले नेताओं ने टोंक को केवल एक 'चुनावी प्रयोगशाला' बना दिया है। आज़ादी के 80 साल बाद भी यहाँ की जनता ट्रेन की सीटी सुनने के लिए तरस रही है, जबकि नेता एसी कमरों में बैठकर 'विकास' का झुनझुना बजा रहे हैं।

### डबल इंजन का 'जुमला': जब पटरी ही नहीं, तो इंजन कैसा?

भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान और देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने दावा किया था कि 'डबल इंजन' सरकार टोंक की तकदीर बदल देगी। लेकिन हकीकत यह है कि यह 'डबल इंजन' टोंक की सीमा पर आते ही फेल हो जाता है।

**खोखले वादेः** सालों से 'रेल आ रही है' का शोर मचाया गया, लेकिन धरातल पर एक ईंट तक नहीं रखी गई।

**सियासी बेशर्मीः** केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने के बावजूद टोंक को 'बजट और ज़मीन' के फुटबॉल मैच में उलझा कर रख दिया गया है।

**क्रेडिट वॉरः** जनता पिस रही है और नेता इस बात पर लड़ रहे हैं कि पत्थर पर नाम किसका होगा।सचिन पायलट की **'जादुई चुप्पी'**: गुस्सा सिर्फ सत्ता पक्ष पर नहीं है। टोंक की जनता अब कांग्रेस के दिग्गज सचिन पायलट के खिलाफ भी आग उगल रही है। संसद में हरीश मीणा भले ही टोंक को अभागा कहें, लेकिन सवाल उस 'हाई-प्रोफाइल' नेतृत्व पर भी है जिसने टोंक से ताकत तो ली, पर बदले में उसे केवल उपेक्षा की धूल दी। 'पायलट साहब की राजनीति दिल्ली-जयपुर के गलियारों में चमकती है, लेकिन टोंक की बदहाल सड़कों पर उनके काफिले के गुज़रने के बाद सिर्फ धूल बचती है। क्या टोंक सिर्फ एक सुरक्षित वोट बैंक है?

**विकास का 'रेप'**: रेल नहीं आई, पर मौत और नशे का तांडव जरूर आया! जहाँ पटरियाँ बिछनी थीं, वहाँ बनास नदी का सीना चीरकर निकले बजरी के अवैध डंपरों ने मौत का जाल बिछा दिया है। प्रशासन की नाक के नीचे बजरी माफिया फल-फूल रहा है और आम आदमी अपनी जान गँवा रहा है।

**1.उड़ता टोंकः** रोजगार के अभाव में युवा शक्ति नशे के दलदल में धंस रही है। 5' का औद्योगिक आंकड़ा नेताओं के गाल पर एक तमाचा है।

**2. रिश्तों का अकालः** देवगंज ढाणी जैसे इलाकों में सड़कें इतनी जर्जर हैं कि लोग वहां अपनी बेटियों का ब्याह करने तक को तैयार नहीं हैं।

**3. मजबूर पलायनः** टोंक का युवा दूसरों के राज्यों में पसीना बहाता है क्योंकि अपने शहर में नेताओं ने सिर्फ 'भाषणों की फैक्ट्रियां' लगा रखी हैं।

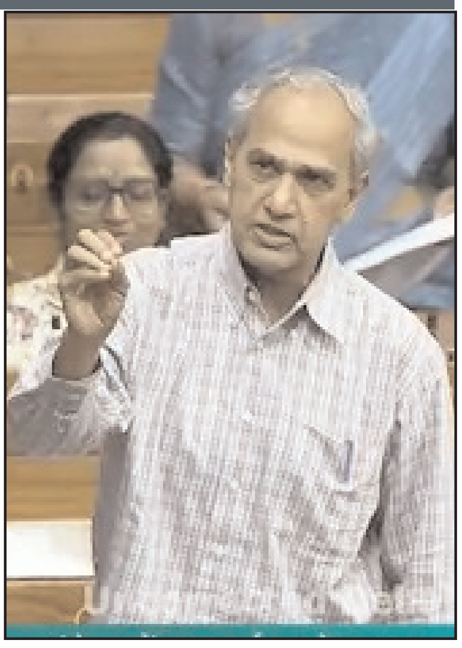

**जनता का हुंकारः** अब जुमले नहीं, ज़मीन पर काम चाहिए!

टोंक की जनता अब इन सफेदपोशों के 'शॉर्ट सर्किट' वाले बयानों से ऊब चुकी है। चाहे वो भाजपा के चंद्रवीर सिंह हों या कांग्रेस के दिग्गज, टोंक अब किसी के रहमोकरम पर जीने को तैयार नहीं है।

**सीधा हमलाः** अगर डबल इंजन की सरकार में भी टोंक 'अभागा' है, तो समझ लीजिए कि इंजन में खराबी नहीं, बल्कि चलाने वालों की नीयत में खोट है। नेताओं की आपसी रंजिश ने टोंक की एक पूरी पीढ़ी को बूढ़ा कर दिया, लेकिन अब और नहीं!

**चेतावनीः** वोट की चोट अब उसी चेहरे पर होगी, जो टोंक के स्टेशन पर ट्रेन खड़ी करेगा। वरना, टोंक के इन 'सियासी सौदागरों' को जनता इस बार इतिहास के कूड़ेदान में फेंकने के लिए तैयार बैठी है।

## खाकी की मिलीभगत से 'खाक' हो रही विरासतः घाड़ के पहाड़ों पर खनन माफिया का नंगा नाच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नगरफोर्ट (टोंक)।** जहाँ रक्षक ही भक्षक बन जाए, वहाँ अरावली की वादियां और ऐतिहासिक विरासतें भला कैसे सुरक्षित रह सकती हैं? टोंक जिले के नगरफोर्ट तहसील अंतर्गत घाड़ क्षेत्र में इन दिनों वन विभाग और प्रशासन की नाक के नीचे अवैध पत्थर खनन का काला खेल बेखौफ जारी है। आलम यह है कि सरकारी तंत्र की कथित 'सेटिंग' ने खनन माफियाओं को इस कदर निडर कर दिया है कि वे अब ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरों को भी जमींदोज करने पर आमादा हैं।

**प्रमुख बिंदुः** विनाश की दास्तां

ताले में 'चौकी', माफिया की मौजः क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बनी घाड़ वनरक्षक चौकी सफेद हाथी साबित हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहाँ अक्सर ताला लटका रहता है और अब यह चौकी वनकर्मियों के बजाय शराबियों का अड्डा बन चुकी है।

दूरी महज 1 किमी, फिर भी पुलिस 'अंधी' विडंबना देखिए कि पुलिस थाना पहाड़ से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन दिन-दहाड़े गरजती मशीनें और दौड़ते अवैध पत्थरों के ट्रॉलियों की आवाजें खाकी के

कानों तक नहीं पहुँच पा रही हैं।

खतरे में 'मनार पीर बाबा' की दरगाहः आस्था के केंद्र मनार पीर बाबा स्थान के चारों ओर माफियाओं ने पहाड़ को खोखला कर दिया है। दरगाह के दोनों तरफ से जिस तरह पत्थर निकाले जा रहे हैं, उससे पूरी पहाड़ी के दरकने और इस प्राचीन धरोहर के ढहने का खतरा पैदा हो गया है।

हाल ही में ककोड़ की सभा में जिला कलेक्टर टीना डाबी की मौजूदगी में विधायक राजेंद्र गुर्जर ने भी वन विभाग की मिलीभगत पर तीखे सवाल उठाए थे। जब जन प्रतिनिधि सार्वजनिक मंच से संरक्षण के आरोप लगा रहे हों, तो विभाग की ईमानदारी खुद-ब-खुद कटघरे में खड़ी हो जाती है। '

### प्रशासन की चुप्पी पर उठते सवाल

ग्रामीणों ने कई बार लिखित शिकायतें देकर गुहार लगाई, लेकिन सरकारी फाइलों में शिकायतों का अंबार तो लगा, पर धरातल पर माफियाओं का हौसला और बुलंद हो गया। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे या ऐतिहासिक धरोहर के पूर्ण विनाश का इंतजार कर रहा है।

**ग्रामीणों की चेतावनी**

स्थानीय निवासियों ने दो टूक शब्दों में जिला प्रशासन से मांग की हैः

1. अवैध खनन पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण रोक लगाई जाए।
2. कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले और माफियाओं को संरक्षण देने वाले वनकर्मियों पर सख्त कार्रवाई हो।
3. ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के चारों ओर 'नो माइनिंग जोन' सख्ती से लागू हो।

अगर समय रहते प्रशासन नहीं जागा, तो घाड़ का यह गौरवशाली पहाड़ सिर्फ इतिहास की किताबों और धूल के गुबार में सिमट कर रह जाएगा।

## गरीबों के हक पर डाका! अफसरशाही की बेलगाम लापरवाही पर चला कलेक्टर टीना डाबी का हंटर, पीपलू बीडीओ को थमाई चार्जशीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**टोंक।** सरकारें गरीबों के उत्थान के लिए अरबों की योजनाएं बनाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बैठे 'साहब' कैसे उन योजनाओं को फाइलों में दफन कर देते हैं, इसका शर्मनाक उदाहरण टोंक जिले की पीपलू पंचायत समिति में सामने आया है। एक तरफ मनरेगा में मजदूरों का पसीना सूख रहा है और प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीबों के आशियाने अधूरे पड़े हैं, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार अफसर कुंभकर्णी नींद सो रहे थे। आखिरकार, इस बेलगाम और संवेदनहीन अफसरशाही पर टोंक जिला कलेक्टर टीना डाबी का चाबुक चला है। लगातार मिल रही शिकायतों और काम में घोर लापरवाही को देखते हुए कलेक्टर ने पीपलू पंचायत समिति के बीडीओ सुनील वर्मा को सीधी चार्जशीट थमा दी है। यह कार्रवाई उन सभी 'लापरवाह' अधिकारियों के लिए एक कड़ा संदेश है, जो सरकारी कुर्सी पर बैठकर जनता के हकों को ठेंगा दिखा रहे हैं। उच्चाधिकारियों के निर्देशों की उड़ाई धज्जियां इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि बीडीओ सुनील वर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों को रद्दी की टोकरी में डाल दिया था। जिला प्रशासन की लगातार समीक्षा बैठकों, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सख्त हिदायतों के बावजूद इनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। काम में सुधार तो दूर, योजनाओं की प्रगति और गर्त में चली गई। जब पानी सिर से ऊपर चला गया, तब जाकर प्रशासन को यह कड़ा कदम उठाना पड़ा।

इन 6 गंभीर 'पापों' का देना होगा हिसाब

कलेक्टर की ओर से जारी चार्जशीट में

बीडीओ से 6 बेहद गंभीर बिंदुओं पर जवाब तलब किया गया है, जो सीधे तौर पर गरीबों के पेट और उनकी छत से जुड़े हैंः

**अधूरे कार्यः** मनरेगा के तहत जानबूझकर कार्यों को अधूरा छोड़ना और प्राथमिकता तय न करना।

**लक्ष्यों में नाकामीः** प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को घर देने के निर्धारित लक्ष्यों में शर्मनाक रूप से पिछड़ना।

**मजदूरों से खिलवाड़ः** समय पर मस्टररोल जारी न करके गरीब श्रमिकों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा करना।

**शून्य मॉनिटरिंगः** फील्ड में जाकर श्रमिकों और काम की कोई निगरानी नहीं करना,

योजनाओं का पलीताः सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में स्पष्ट रूप से घोर लापरवाही बरतना।

**टोंक जिला कलेक्टर टीना डाबी का कड़ा एक्शनः मनरेगा और पीएम आवास योजना में घोर लापरवाही पर पीपलू बीडीओ से 5 दिन में मांगा जवाब**

### 15 दिन का अल्टीमेटमः या तो जवाब दो, या कार्रवाई भुगतो

कलेक्टर टीना डाबी ने साफ कर दिया है कि आमजन और गरीबों के हकों के साथ खिलवाड़ अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीडीओ सुनील वर्मा को अपना बचाव करने के लिए महज 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। प्रशासन की इस सर्जिकल स्ट्राइक से जिले के उन तमाम अधिकारियों में हड़कंप मच गया है जो अब तक काम में कोताही बरत रहे थे। अब देखना यह है कि 15 दिन बाद इन साहब की कुर्सी सलामत रहती है या इन पर कोई और बड़ी गाज गिरती है!

## जावरा में गुरु भगवंतों के मंगल प्रवेश को लेकर भारी उत्साह, 11 और 12 मई को पधारेंगे जैन संत

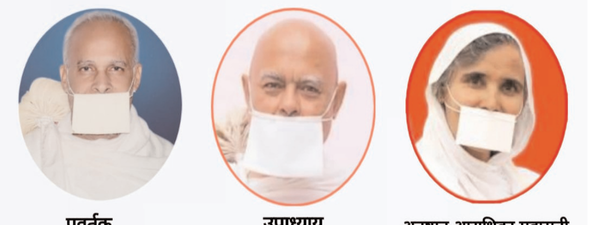

प्रवर्तक श्री विजय मुनि जी म सा | उपाध्याय श्री गौतम मुनि जी म सा | अनुष्ठान आराधिका महासती डॉ कुमुदलता जी म सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जावरा।** संतों का आगमन नगर में नई रोशनी के साथ जन जन के लिए उत्साह लाता हैं ऐसा ही आगमन का अवसर जावरा नगर में हो रहा है ज्ञात? रहें की नगर में 17 मई रविवार को कस्तुर पावन धाम के लोकार्पण एवं भूमि पूजन समारोह के लिए 11 मई को जैन दिवाकरीय उपाध्याय श्री गौतम मुनि जी म सा, आगम ज्ञाता श्री वैभव मुनि जी म सा सागर वेयरहाउस से विहार कर जावरा स्वाध्याय भवन पर पधार रहे हैं साथ ही प्रवर्तक श्री विजय मुनि जी म सा, उपप्रवर्तक श्री चंद्रेश मुनि जी म सा ढोढर से विहार करते हुए 11 मई को अरिहंत कोल्ड स्टोरेज विहार करते हुए 12 मई को जावरा पधारेगें जावरा नगर की बेटी महासती डॉ कुमुदलता जी म सा, डॉ महाप्रज्ञा जी म सा, डॉ पदमकिर्ती जी म सा डॉ, राजकिर्ती जी म सा 11 मई को रोजाना से होते हुए 12 मई को जावरा पधार रहे हैं उक्त जानकारी देते हुए मिडिया प्रभारी गुरु संदीप रांका जावरा सुभाष टुकडियां ने बताया की गुरु भगंवतो के आगमन पर सभी श्रावक श्राविका से निवेदन है कि विहार में पधारकर सेवा समर्पण के साथ गुरुभक्ती का परिचय देने की अपील पुर्वाध्याक्ष द्वय दिपचंद डांगी, बसंतीलाल चपडोद, पारसमल बरडिया, सुशील चपडोद, पुखराजमल कोच्चटा के साथ कस्तुर पावन धाम के अध्यक्ष राकेश मेहता, सचिव सुजानमल कोच्चटा, नगर पालिका उपाध्यक्ष सुशील कोच्चटा, के साथ श्रीपाल कोचट्टा, चन्द्रप्रकाश ओस्तवाल, पारस गादिया, अजीत रांका, सुरेश मेहता, शांतिलाल दुग्गड, आकाश जैन, विनोद लूनिया, दिलीप चत्तर, अभय सुराणा, प्रकाश बोथरा, बसंत बोथरा, राजमल खारीवाल,अभय चोपडा, अतुल मेहता, सुरेन्द्र मेहता, विशाल चत्तर, कनकमल चोरडिया, समरथमल ओस्तवाल, शांतिलाल डांगी, शेखर नाहर, रमेश जैन वकील सा, आयुष चोरडिया, सुजानमल औरा, अनिल दुग्गड, जतिन कोच्चटा, संजय भंडारी, फतेहलाल जैन, यश जैन, रुपेश दुग्गड, उज्जवल भंडारी, राहुल रांका, अशोक झामर, विजय नाहर, राकेश एम कोच्चटा, राकेश पी कोच्चटा, सुरेन्द्र कोच्चटा, पारसमल औरा, मनोज डांगी, नितिन कोलन, संदीप श्री माल, संदीप जैन, मनीष पोखरना, अंकुर जैन, आदि ने अधिक से अधिक पधारने की अपील की है

## दैनिक राशिफल

मंगलवार, 11 मई 2026

**मेष** (Aries) — शुभ अंक: 9, शुभ रंग: लाल — आज ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा।

**वृषभ** (Taurus) — शुभ अंक: 6, शुभ रंग: सफेद — पारिवारिक जीवन में सुख रहेगा।

**मिथुन** (Gemini) — शुभ अंक: 5, शुभ रंग: हरा — व्यापार में लाभ और नए अवसर मिलेंगे।

**कर्क** (Cancer) — शुभ अंक: 2, शुभ रंग: सिल्वर — मानसिक शांति महसूस करेंगे।

**सिंह** (Leo) — शुभ अंक: 1, शुभ रंग: सुनहरा — आत्मविश्वास बढ़ेगा, नेतृत्व की तारीफ होगी।

**कन्या** (Virgo) — शुभ अंक: 7, शुभ रंग: पीला — कड़ी मेहनत का शुभ फल मिलेगा।

**तुला** (Libra) — शुभ अंक: 8, शुभ रंग: गुलाबी — शुभ समाचार मिलने के योग हैं।

**वृश्चिक** (Scorpio) — शुभ अंक: 3, शुभ रंग: मैरून — धैर्य से काम लें, यात्रा के योग।

**धनु** (Sagittarius) — शुभ अंक: 4, शुभ रंग: पीला — शिक्षा और प्रतियोगिता में सफलता।

**मकर** (Capricorn) — शुभ अंक: 8, शुभ रंग: नीला — रुके हुए काम पूरे होंगे।

**कुंभ** (Aquarius) — शुभ अंक: 11, शुभ रंग: आसमानी — रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

**मीन** (Pisces) — शुभ अंक: 3, शुभ रंग: केसरिया — आध्यात्मिक की ओर झुकाव रहेगा।

## तामिलनाडु के द्रविड़ राजनीति में विजय का उदय

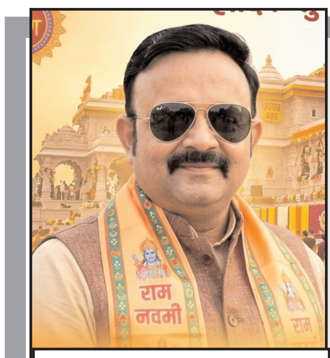


पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

**तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए।**

वर्तमान तमिलनाडु की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के दो पार्टियां द्रविड़ मुनेत्र कड्गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड्गम (एआईएडीएमके) के वर्चस्व को पीछे छोड़ते हुए अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड्गम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 107 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी जगह बनाई है। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने तमिलगा वेट्री कड्गम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष जोसेफ विजय द्वारा सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया था।जबकि टीवीके के संस्थापक जोसेफ विजय राज्यपाल अर्लेकर से दो बार मुलाकात कर सरकार बनाने का निमंत्रण देने का अनुरोध किया था। जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने में राज्यपाल की देरी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई।यह सर्वविदित है कि संविधान द्वारा शासित संसदीय लोकतंत्र में, किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त है या नहीं, यह प्रश्न केवल सदन के पटल पर ही निर्धारित किया जा सकता है। दूसरी ओर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वार्ता और एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में सरकार बनाने के प्रयासों की खबरें भी आई जो जनादेश के विरुद्ध था। तमिलनाडु में अंदरखाने राष्ट्रपति शासन लगाने की चर्चा होने लगा था। तमिलनाडु में विजय की सरकार को कांग्रेस, लेफ्ट और वीसीके ने अपना समर्थन दिया है। आईयूएमएल ने भी टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।तामिलनाडु में सरकार गठन के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए था जो अब 121 विधायकों का समर्थन मिल गया है। इसके बाद टीवीके की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। इस चुनाव में विजय ने दो विधानसभा सीटों से जीत हासिल की है। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन उसके बाद भी सरकार बनाने को लेकर जोसेफ विजय को काफी दिक्कतें आई हैं। हालांकि, मुश्किलों को हल करने में राहुल गांधी की भूमिका काफी अहम रही है। तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय रविवार को राज्य के 9 वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लिया है।इनके साथ नौ लोगों ने मंत्री पद का शपथ लिया है।जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके का उदय तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। यह केवल एक फिल्म अभिनेता

के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि राज्य की बदलती सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों, युवाओं की अपेक्षाओं और द्रविड़ राजनीति के भीतर उभरते खाली स्थान का परिणाम भी है। विजय तमिल सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार विरोध और युवा शक्ति जैसे मुद्दे दिखाए जाते रहे हैं। उनका प्रशंसक नेटवर्क वर्षों से संगठित रूप में काम कर रहा था, जो अब राजनीतिक ढांचे में बदला गया है।टीवीके ने अभी तक खुद को पूरी तरह किसी एक वैचारिक ध्रुव से नहीं जोड़ा है।वे द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और तमिल अस्मिता को बनाए रखते हुए 'सर्वसमावेशी' छवि बनाना चाहते हैं।वे युवाओं को रोजगार, पारदर्शी व्यवस्था और सुशासन पर जोर देकर नई पीढ़ी को द्रविड़ राजनीति में जोड़ा है। इस बार के चुनाव में एआईएडीएमके का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत तक गिरा है। इस बार सिर्फ पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई है, बल्कि वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी गंवा बैठी है।

डीएमके और एआईएडीएमके दोनों पार्टियां पेरियार और अन्नादुरई के सिद्धांतों जैसे सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, हिंदी विरोध को मानती है।1967 से तमिलनाडु में केवल इन दो पार्टियों ने ही सरकारें बनाई हैं, जो बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं। दोनों ही पार्टियों का फिल्मी जगत से गहरा संबंध रहा है, जहां नेता अक्सर पटकथा लेखक या अभिनेता रहे हैं।डीएमके का उदय 1949 में हुआ था।सी.एन. अन्नादुरई ने पेरियार के कुछ विचारों से असहमति के बाद डीएमके बनाई, जो चुनावी राजनीति में उतरी। दक्षिण के बडे अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने करुणानिधि से विवाद के बाद डीएमके से अलग होकर 1972 में एआईएडीएमके बनाई।बाद में जयललिता ने इस पार्टी की कमान संभाली थी। जयललिता भी दक्षिण की मशहूर अभिनेत्री थी। तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति का इतिहास 1916 में जस्टिस पार्टी की स्थापना से शुरू होकर आज की डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वैचारिक और सत्ता संघर्ष का 110 साल पुराना सफर है।जस्टिस पार्टी की शुरूआत गैर-ब्राह्मण आंदोलन से हुई, जो प्रशासन और शिक्षा में ब्राह्मण वर्चस्व के खिलाफ था।बाद में जस्टिस पार्टी को पेरियार ई.वी. रामासामी ने द्रविड़ कड़गम में बदला, जिसका उद्देश्य स्वतंत्र द्रविड़ नाडु और सामाजिक सुधार था।तमिलनाडु की राजनीति देश के बाकी राज्यों से काफी अलग मानी जाती है। ऐसा इसलिए कि यहां जाति, भाषा, धर्म, क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक न्याय की राजनीति ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया जिसे द्रविड़ राजनीति कहा जाता है। राज्य की दो सबसे बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके एक ही द्रविड़ आंदोलन से निकली है, दोनों की विचारधारा लगभग समान है, लेकिन राजनीतिक रूप से दोनों दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है और पिछले पांच दशक से ज्यादा समय से तमिल राजनीति पर कब्जा किया हुआ है। 1967 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहां डीएमके ने कांग्रेस को हराकर सत्ता हासिल कर ली और सी. एन. अन्नादुरई मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब किसी क्षेत्रीय दल ने राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति लगभग पूरी तरह द्रविड़ दलों के नियंत्रण में आ गई। अन्नादुरई की मृत्यु के बाद एम. करुणानिधि डीएमके के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे।1969 में सी.एन. अन्नादुरई के निधन के बाद, कलाइग्नार एम. करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और पांच बार इस पद पर आसीन हुए। उन्होंने 2016 तक हुए सभी 13 विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके एक रिकॉर्ड बनाया। 2018 में, उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, डीएमके की आम सभा की बैठक हुई और एम.के. स्टालिन को डीएमके को अध्यक्ष चुना गया था।1980 और 1990 के दशक में तमिलनाडु की राजनीति पूरी तरह करुणानिधि बनाम जयललिता में बदल गई। दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक संघर्ष बेहद तीखा था। विधानसभा से लेकर सड़कों तक टकराव दिखाई देता था।

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए। विजय की लोकप्रियता और उसकी दीर्घकालिक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पार्टी को मजबूत संगठन, स्पष्ट नीतियां और विश्वसनीय राजनीतिक नेतृत्व कितना विकसित कर पाते हैं।

(बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संपादकीय

### बंगाल का 'रक्त-चरित्र'

बेशक पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' का जनादेश दिया गया है और आज पहली भाजपा सरकार शपथ ग्रहण कर रही है, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का 'बदलापुर' सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोडफोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या सुवेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। सुवेन्दु भाजपा सरकार के भावी मुख्यमंत्री माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह सुवेन्दु के साथ तब से कार्यरत थे, जब सुवेन्दु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। सुवेन्दु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशाना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के 'रक्तचरित्र' को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है, जबकि बंगाल में कांग्रेस के अवशेष ही बचे हैं। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो 'नंगा नाच' सामने आया है, उनके 'रक्तबीज' कौन हैं? कमोबेश बंगाल से 'भद्रलोक' का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोडफोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक अप्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का 'रक्तचरित्र' यथावत है, कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी 'बदला नहीं, बदलाव' की अपील करते रहें। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का 'रक्तरंजित' चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में जो 'रक्तबीज' कांग्रेस ने बोया था, उससे पैदा हिंसा की फसलों को वाममोर्चे की सत्ता के दौरान 'संस्थानगत' आकार दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक 'इकोसिस्टम' तैयार हो गया।

### चिंतन-मनन

### वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है। मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं। मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

## संवैधानिक संस्थानों पर गहराता संदेह और बदलता सियासी मिजाज

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय लोकतंत्र आज एक दोराहे पर है, जहां चुनाव के नतीजों से ज्यादा चर्चा चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक मयार्दाओं की हो रही है। देश की राजनीति में हाल के दिनों में जो कुछ घटा है—चाहे वह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और राज्यपाल के बीच का अभूतपूर्व टकराव हो, या फिर विपक्षी नेताओं का जेल जाना - इन सबने आम जनता के मन में कई गंभीर सवाल पैदा कर दिए हैं। क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? या फिर सत्ता की बिसात पर मोहरे अब संस्थानों की गरिमा से बड़े हो गए हैं?

सबसे पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की। वहां संवैधानिक संकट जिस मोड़ पर पहुंचा है, वह भारतीय संसदीय इतिहास के लिए एक चिंताजनक अध्याय है। ममता बैनर्जी ने चुनाव हारने के बाद साफ कह दिया कि हम हारे नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग ने हमें हराया है, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, राज्यपाल चाहें तो मुझे सस्पेंड कर दें, मैं चुनावी प्रक्रिया में धांधली के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाऊँगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट जाऊँगी यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया तो राज्यपाल ने सरकार बरखास्त कर दी, राज्यपाल ने बरखास्त कर दिया ये तो होना ही था, लेकिन इस तरह न नाटकीय घटनाओं से लोकतंत्र कमजोर होता है, उसमे सत्ता - विपक्ष दोनों को गहराई से सोचना चाहिए कि आम नागरिको में क्या संदेश जाएगा।

क्या लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं सक्रिय राजनीति का अखाड़ा बन गईं हैं? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक पूछ रहा है। वहीं दूसरी ओर, देश में ईवीएम और वोट चोरी को लेकर उठ रहे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे। हालांकि चुनाव आयोग बार-बार इसकी शुचिता का दावा करता है, लेकिन जब विपक्षी दल और नागरिक समाज के एक बड़े हिस्से में अविश्वास पैदा हो जाए, तो वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

भाजपा की एकतरफा जीत को लेकर भी समाज में दो फाड़ है, समर्थकों के लिए यह विकास की जीत है, तो विरोधियों के लिए यह संसाधनों और संस्थानों के दुरुपयोग का परिणाम। यह कहना भी हास्यापद होगा कि देश में राम राज्य आ गया है, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव जैसे जमीनी मुद्दे आज भी जस के तस बने हुए हैं।

राजनीति की नैतिकता पर सबसे बड़ा प्रहार दलबदल ने किया है। क्षेत्रीय दलों के कद्दावर नेताओं का रातों-रात पाला बदलकर भाजपा के साथ जुड़ना, अब विचारधारा की राजनीति नहीं बल्कि अवसरवाद की राजनीति का प्रतीक बन गया है। जब जनता किसी व्यक्ति को एक खास विचारधारा के लिए चुनती है और वह नेता व्यक्तिगत लाभ या दबाव में दूसरी तरफ चला जाता है, तो यह सीधे तौर पर जनमत का अपमान है। आयाराम-गयाराम की यह संस्कृति लोकतांत्रिक शुचिता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। इन सबके बीच, न्यायपालिका की साख पर भी उंगली उठने लगी है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा अदालत में यह कहना कि - मुझे आप पर विश्वास नहीं है कि आप न्याय करेंगी, केजरीवाल का दावा था कि जज आरएसएस से जुड़ी संस्था अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रमों में कई बार शामिल हुई हैं, जो एक विशेष विचारधारा को दशार्ता है। यह एक बेहद डराने वाली स्थिति की ओर इशारा करता है। जब देश के बड़े नेता और आम आदमी अदालतों की निष्पक्षता पर संदेह करने लगें, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ भी डगमगा रहा है। न्याय का केवल होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका दिखना भी जरूरी है।

आज की राजनीति में स्वतंत्र संस्थानों की विश्वसनीयता सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और यहां तक कि राजभवन - सभी की निष्पक्षता आज सवालों के घेरे में है। लोकतंत्र केवल वोट डालने और सरकार बनाने का नाम नहीं है; यह विश्वास और मयार्दाओं का खेल है। अगर जनता का भरोसा इन संस्थाओं से टूट गया, तो फिर हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का गौरव कैसे बनाए रखेंगे? वक्त आ गया है कि सत्ता और विपक्ष, दोनों आत्ममंथन करें। राजनीति में जीत-हार चलती रहती है, लेकिन जीत की भूख में अगर हम लोकतंत्र की नींव ही खोद देंगे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। संस्थानों को अपनी रीढ़ मजबूत करनी होगी और नेताओं को अपनी नैतिकता। क्योंकि बिना विश्वास के, लोकतंत्र केवल एक खोखला ढांचा बनकर रह जाएगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

## महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को 'शक्ति', 'मातृशक्ति' और 'आधी दुनिया' कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर 'सुरक्षित' या 'कमजोर' उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए 'उपयुक्त क्षेत्र' नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरूआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार

के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना केवल महिलाओं का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। यदि आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहेगी, तो लोकतंत्र भी आधा-अधूरा ही रहेगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा। कथनी और करनी के इस अंतर को समाप्त किए बिना महिला आरक्षण का सपना अधूरा ही रहेगा। निश्चय ही हालिया विधानसभा चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीतिक दलों की महिला हितैषी राजनीति अभी भी बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक है। जब तक महिलाओं को टिकट वितरण, संगठनात्मक नेतृत्व और नीति निर्माण में न्यायसंगत भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक 'आधी दुनिया' लोकतंत्र के हाशिये पर ही खड़ी दिखाई देगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

**फर्जी पर्यटन मंत्रालय के दस्तावेज दिखाकर लोगों से पैसे ऐंठते थे. पुलिस ने फर्जी आईडी, मोहरें, दस्तावेज, मोबाइल और नकदी बरामद की है.**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नोएडा।** में टूर पैकेज के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का थाना सेक्टर-24 पुलिस ने पर्दाफाश किया है. पुलिस ने 'रेंजर्स क्लब' नाम से कंपनी चलाकर फर्जीवाड़ा करने वाले तीन आरोपियों को सेक्टर-32 स्थित एक मॉल से गिरफ्तार किया है. इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज, नकली पहचान पत्र और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है. एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इमरान खान, अभय कुमार और शैलेन्द्र सिंह के रूप में हुई है. ये तीनों खुद को कंपनी का डायरेक्टर बताकर लोगों को सस्ते और आकर्षक टूर पैकेज का लालच देते थे. आरोपियों का तरीका बेहद सुनियोजित था, जिसमें वे ग्राहकों को देश-विदेश की यात्रा, लग्जरी सुविधाएं, होटल बुकिंग और अन्य सेवाएं कम कीमत पर उपलब्ध कराने का झांसा देते थे.

## खुद को पर्यटन मंत्रालय से जुड़ा बताता था गिरोह

जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों को विश्वास में लेने के लिए खुद को भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय से जुड़ा हुआ बताते थे. इसके लिए वे फर्जी आईडी कार्ड, विजिटिंग कार्ड और नकली एमओयू दस्तावेज तैयार करवाते थे. जिन्हें दिखाकर ग्राहकों को प्रभावित किया जाता था. इसके अलावा फर्जी मोहरों का भी इस्तेमाल किया जाता था, ताकि लोगों को यह लगे कि कंपनी पूरी तरह से वैध और सरकारी मान्यता प्राप्त है. पुलिस के अनुसार पैसे लेने के बाद आरोपी किसी भी प्रकार की यात्रा या सेवा उपलब्ध नहीं कराते थे. जब ग्राहक संपर्क करने की कोशिश करते थे तो उन्हें टालमटोल किया जाता था या फिर कंपनी के कर्मचारी गायब हो जाते थे. इस तरह यह गिरोह कई लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी कर चुका था. पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने लंबे समय से इस तरह की धोखाधड़ी की योजना बनाई हुई थी और लगातार नए-नए ग्राहकों को फंसाकर पैसा कमाते थे. पुलिस ने तीन आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा पुलिस का अनुमान है

कि इस गिरोह से जुड़े और भी लोग हो सकते हैं, जिनकी तलाश की जा रही है. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 फर्जी आई कार्ड, 180 विजिटिंग कार्ड, 14 फर्जी मोहरें, 15 एमओयू दस्तावेज, 3 मोबाइल फोन, एक क्रेटा

# लखनऊ में BJP नेता पर हमला, घर के बाहर मारी गोली, हालत नाजुक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के बाजारखाला थाना क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के एक नेता को बदमाशों ने गोली मार दी. जिससे इलाके में सनसनी फैल गई. घायल नेता की पहचान श्याम चेतन तिवारी के रूप में हुई है, जिन्हें गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है.

### बीजेपी नेता की हालत है गंभीर

पुलिस के अनुसार शनिवार को सूचना मिली कि बाजारखाला थाना क्षेत्र के मेहंदीगंज इलाके में एक युवक को गोली मार दी गई और आरोपी मौके से फरार हो गया. हालांकि बाद में उसे पुलिस ने पकड़ लिया. सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की. जांच में पता चला कि घायल युवक श्याम चेतन तिवारी पुत्र सुरेश चंद्र तिवारी निवासी मेहंदीगंज हैं, जिनकी उम्र करीब 35 वर्ष है.

घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से चेतन तिवारी को तुरंत इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है. फिलहाल उनकी हालत को लेकर पुलिस और अस्पताल प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है. पुलिस ने घटना की जांच के दौरान इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली. फुटेज और प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी वैभव बाजपेई पुत्र संतोष कुमार बाजपेई निवासी मेहंदीगंज, थाना बाजारखाला ने पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया. बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले से विवाद चल रहा था, जिसके चलते आरोपी ने चेतन तिवारी पर फायरिंग कर दी. घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए. पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी. अधिकारियों के मुताबिक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और घटना में इस्तेमाल हथियार के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. शुरुआती जांच में पुरानी रंजिश की बात सामने आई है, हालांकि पुलिस अन्य संभावित कारणों को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है. मौके पर पुलिस बल तैनात है

# 'दूसरी पत्नी बनकर रहो वरना', भोपाल में शादी से इनकार करने पर सनकी आशिक ने युवती का गला रेता

**आरोपी युवती पर दूसरी पत्नी बनकर रहने का दबाव बना रहा था। युवती और उसकी मां ने जब विरोध किया, तो सनकी युवक ने कटर से जानलेवा हमला कर दिया।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप के प्रेम नगर (वार्ड-9) में गुरुवार दोपहर एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई। यहां एक शादीशुदा युवक ने एक युवती की केवल इसलिए हत्या कर दी क्योंकि उसने युवक की दूसरी पत्नी बनने से इनकार कर दिया था। आरोपी ने दिनदहाड़े घर में घुसकर युवती का गला कटर से रेत दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

### प्रस्ताव ठुकराने पर भड़का आरोपी

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान सीहोर जिले के भैरवपुर निवासी मनोज अहिरवार के रूप में हुई है। मनोज पहले से शादीशुदा था, लेकिन वह मृतका पर लगातार उसके साथ रहने का दबाव बना रहा था। गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे आरोपी युवती के घर पहुंचा और उसे अपनी दूसरी पत्नी के रूप में साथ रहने के लिए मनाने लगा। जब युवती और उसकी मां ने इसका कड़ा विरोध किया और उसे घर से जाने को कहा, तो बहस बढ़ गई और मनोज ने कटर निकालकर युवती के गले पर वार कर दिया।

### मां को भी आई चोटें, 24 घंटे में गिरफ्तार

इस खूनी संघर्ष के दौरान जब मां अपनी बेटी को बचाने आई, तो वह भी घायल हो गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपी भोपाल की ओर भाग निकला था। पुलिस ने तुरंत विशेष टीमों का गठन किया और मुखबिरों की मदद से 24 घंटे के भीतर आरोपी को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

### पुलिस की घेराबंदी और गिरफ्तारी

वारदात के बाद मंडीदीप में तनाव और दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विशेष टीमों का गठन किया। साइबर सेल और मुखबिरों की मदद से पता चला कि आरोपी भोपाल की ओर भागा है। पुलिस ने नाकेबंदी कर महज 24 घंटे के भीतर उसे दबोच लिया। पूछताछ में मनोज ने ठंडे दिमाग से अपना जुर्म कबूल किया और कहा कि वह युवती द्वारा बार-बार किए जा रहे तिरस्कार से गुस्से में था।

# कुशीनगर एक्सप्रेस में बुजुर्ग महिला के दांत तोड़ने वाले TTE पर गिरी गाज, रेलवे ने फाइल की चार्जशीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक बुजुर्ग महिला के साथ रेल सफर के दौरान हुई बर्बरता के मामले में रेलवे प्रशासन हरकत में आ गया है. कुशीनगर एक्सप्रेस में 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला के चेहरे पर घूंसा मारकर उनके दांत तोड़ने वाले आरोपी टीटीई नईम खान के खिलाफ उत्तर मध्य रेलवे ने चार्जशीट दाखिल कर दी है. यह घटना 6 मई की है, जब भोपाल की पूर्वी रेलवे कॉलोनी की रहने वाली सुशीला देवी नर्मदापुरम से भोपाल आने के लिए कुशीनगर एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 22538) पकड़ने पहुंची थीं. ट्रेन छूटने वाली थी, जिसे देखते हुए बुजुर्ग महिला आनन-फानन में सामने आए एस कोच में चढ़ गईं.

### टीटीई का हिंसक व्यवहार

महिला का एसी कोच में चढ़ना ड्यूटी पर तैनात टीटीई नईम खान को इतना नागवार गुजरा कि उसने मानवता की सारी हदें पार कर दीं. बहस के दौरान टीटीई ने बुजुर्ग महिला के चेहरे पर जोरदार घूंसा जड़ दिया, जिससे उनके दांत टूट गए और वे लहूलुहान हो गईं. बुजुर्ग महिला ने रानी कमलापति स्टेशन उतरकर जीआरपी थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. जीआरपी ने टीटीई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कीझांसी मंडल और नॉर्थ सेंट्रल रेलवे ने मामले का संज्ञान लिया. रेलवे ने इसे 'घोर कदाचार' मानते हुए संबंधित टीटीई के खिलाफ विभागीय जांच बिठा दी है और अब उसके खिलाफ चार्जशीट जारी कर दी गई है.

### रेलवे प्रशासन का पक्ष

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों के साथ इस तरह का व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. आरोपी कर्मचारी के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है.

# अपेंडिक्स ऑपरेशन के बाद 11 साल की बच्ची की मौत, अस्पताल प्रबंधन ताला लगाकर फरार, गुस्साए लोगों ने जाम की सड़क

**मध्यप्रदेश के उज्जैन के नीलगंगा क्षेत्र में एक निजी क्लीनिक की लापरवाही ने 11 वर्षीय मासूम की जान ले ली, अपेंडिक्स के ऑपरेशन के बाद हुई इस मौत ने पूरे इलाके में तनाव पैदा कर दिया है**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**उज्जैन** . एक 11 साल की बच्ची, जिसकी आँखों में भविष्य के सपने थे, वह एक 'नोबेल' नाम वाले क्लीनिक की कथित लापरवाही की भेंट चढ़ गई। मध्य प्रदेश के उज्जैन से आई यह खबर केवल एक हादसे की कहानी नहीं है, बल्कि यह चिकित्सा जगत के उस काले चेहरे को उजागर करती है जहाँ मासूमों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।

### क्या यह महज लापरवाही है या हत्या?

**मासूम दीपिका की मौत:** अपेंडिक्स के सामान्य से लगने वाले ऑपरेशन के बाद 11 वर्षीय दीपिका डाबी ने दम तोड़ दिया।**अस्पताल की कायरता:** जैसे ही प्रशासन जाँच के लिए पहुँचा, डॉक्टर और स्टाफ मरीजों को राम-भरोसे छोड़कर, अस्पताल पर ताला लगाकर फरार हो गए। **परिजनों का गंभीर आरोप:** मौत होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने 'रेफर' करने का नाटक किया ताकि अस्पताल परिसर में हंगामा न हो।

### जब सड़क पर उतरा जनता का आक्रोश

घटना के बाद जिला चिकित्सालय के बाहर का मंजर रोंगटे खड़े कर देने वाला था। रोते-बिलखते परिजन और मासूम का शव सड़क पर रखकर किया गया चक्काजाम इस बात का प्रमाण था कि जनता का सिस्टम पर से भरोसा उठ चुका है। घंटों तक उज्जैन की सड़कें जाम रहीं, जहाँ सिर्फ न्याय की गूँज सुनाई दे रही थी।

### विभाग 7 की गई सख्त कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग क्लीनिक को तत्काल सील किया गया; लाइसेंस रद्द करने के आदेश। पुलिस प्रशासन अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ FIR दर्ज; फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी।फोरेंसिक टीम मौत के असली कारणों को जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम पैनल द्वारा कराया जा रहा है।

**कड़वे सवाल:** जिसका जवाब उज्जैन प्रशासन को देना होगा

1. **परमिट की जाँच:** क्या 'नोबेल क्लीनिक' के पास सर्जरी करने का लाइसेंस और विशेषज्ञ सर्जन उपलब्ध थे?

2. **भागने का राज:** अगर डॉक्टर निर्दोष थे, तो ताला लगाकर भागने की नौबत क्यों आई एक महीने से इलाज चल रहा था, क्या स्वास्थ्य विभाग ने कभी इस क्लीनिक की सुविधाओं का ऑडिट किया? परिजनों का आरोप है कि उन्हें बिना बताए बच्ची को एम्बुलेंस में डाल दिया गया। उन्हें यह तक नहीं पता था कि उनकी लाड़ली अब इस दुनिया में नहीं रही। यह मानवीय संवेदनाओं की पराकाष्ठा है। आज दीपिका गई है, कल कोई और होगा। अगर इन 'झोलाछाप' मानसिकता वाले क्लीनिकों पर लगाम नहीं कसी गई, तो अस्पतालों की सील खुलती रहेगी और मासूमों की आँखें बंद होती रहेंगी।

# भोपाल में MBBS छात्रा के बाद मकान मालिक ने भी दी जान, पत्नी ने पुलिस पर लगाया बड़ा आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** राजधानी भोपाल के कोहेफिजा इलाके में तीन महीने पहले एक एमबीबीएस छात्रा ने जान दी थी। वह उस इलाके में किराए के मकान में रहती थी। शनिवार देर रात मृतक छात्रा जिस मकान में रहती थी, उसके मकान मालिक ने भी जान दे दी है। इसके बाद मकान मालिक की पत्नी ने पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया है।

### पुलिस झूठे केस में फंसाने की देती थी धमकी

मकान मालिक की पत्नी ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि भोपाल पुलिस हमारे पति को झूठे केस में फंसाने की धमकी देती थी। उन्हें बयान लेने के नाम पर घंटों थाने में बुलाकर बैठाए रखती थी। इसकी वजह से वह परेशान थे। पत्नी का कहना है कि इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया है।

छात्रा के परिवार वाले भी लगा रहे थे आरोप पत्नी का कहना है कि एमबीबीएस छात्रा रोशनी के परिवार वाले भी उन पर आरोप लगा रहे थे। यह बातें उन्होंने मुझे कई बार बताई थी। पुलिस अब मकान मालिक विजय राठौर के मामले की जांच शुरू कर दी है।

### फरवरी में एमबीबीएस छात्रा ने दी थी जान

दरअसल, फरवरी महीने में एबीबीएस छात्रा रोशनी ने विजय राठौर के घर में जान दी थी। वह गांधी मेडिकल कॉलेज की छात्रा थी। परिजनों ने उस समय कहा था कि रोशनी चार महीने पहले ही विजय राठौर के मकान में किराए से रहने आई थी। रोशनी की खुदकुशी के बाद उसके परिजनों ने प्रजर्शन भी किया था। साथ ही हत्या की आशंका जताई थी। मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है। मृतक की बेटी के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। केजी शुक्ला, कोहेफिजा थाना प्रभारी मोबाइल में मिला था सुसाइड नोट हालांकि जांत के दौरान छात्रा के मोबाइल में एक सुसाइड नोट मिला था। इसमें उसने पढ़ाई का दबाव और एमबीबीएस की कठिन पढ़ाई का जिक्र किया था। वहीं, मकान मालिक की पत्नी का कहना है कि इसके बावजूद पुलिस ने उसके पति विजय राठौर को प्रताड़ित किया है। इसी वजह से वह मानसिक दबाव में थी। वहीं, मृतक की पत्नी वरुण राठौर ने छात्रा के परिजनों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि मेरे पति बेकसूर थे। उन्हें लगातार यातनाएं दी जा रही थी। इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया है।

# सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करना फरियादी को पड़ा महंगा, सरपंच प्रतिनिधि ने मां-बहन को पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजगढ़।** मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के झाड़माऊ गांव में घर के पीछे पानी भरा रहने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर करना भारी पड़ गया। यहां शिकायत करने के बाद सरपंच प्रतिनिधि और तीन अन्य लोगों ने युवक और उसकी मां और बहन के साथ मारपीट कर दी। इसके बाद पुलिस ने सरपंच प्रतिनिधि और तीन लोगों पर केस दर्ज किया है।

### घर से बाहर ले जाकर की मारपीट

पुलिस ने बताया कि झाड़माऊ गांव के रहने वाले फरियादी राजेंद्र सिंह झाला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके घर के पीछे पानी भरा रहता था। इस समस्या को लेकर उसने करीब 2 महीने पहले ग्राम सरपंच के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी।

### सरपंच प्रतिनिधि पहुंचा शिकायतकर्ता के घर

वहीं, आठ मई को शाम छह बजे ग्राम पंचायत झाड़मऊ के सरपंच प्रतिनिधि दिनेश राठौर फरियादी के घर पहुंचा। प्रतिनिधि ने उसकी मां राजकुंवर बाई से उसकी जानकारी ली। इस बीच जब राजेंद्र घर से बाहर निकला तो सरपंच प्रतिनिधि दिनेश राठौर ने कहा कि तेरी शिकायत का समाधान करूंगा। इसके बाद थोड़ा आगे ले जाकर कॉलर पकड़ा और थप्पड़ों से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। झाड़माऊ गांव निवासी राजेंद्र सिंह झाला ने दर्ज कराई थी शिकायत घर के पीछे पानी जमा होने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत के बाद सरपंच प्रतिनिधि फरियादी के घर पहुंचा इसके बाद उसने फरियादी और उसके परिजनों के साथ मारपीट की मां-बहन के साथ भी मारपीट की इस बीच पीड़ित की मां-बहन वहां पहुंची तो आरोपियों ने उसकी मां और बहनों के साथ भी मारपीट की है। बीच बचाव में उमाकुंवर की उंगली में चोट लग गई और खून निकल गया। साथ ही आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी है।

# 'शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा...', योगी मंत्रिमंडल विस्तार से पहले बृजभूषण सिंह के पोस्?ट से बढ़ी सरगर्मी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**उत्तरप्रदेश।** अपने X अकाउंट पर बृजभूषण शरण सिंह ने लिखा है- 'शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है, जिस शाख (डाल) पर बैठे हो वो टूट भी सकती है।' यूपी के राजनीतिक गलियारे में इस पोस्ट के अलग अलग मायने निकाले जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि अपने विधायक बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह का नाम संभावित मंत्रिमंडल में शामिल ना होने से बृजभूषण शरण सिंह नाराज चल रहे हैं। पहले चर्चा चल रही थी कि मंत्रिमंडल में ठाकुर चेहरे के रूप में प्रतीक भूषण सिंह का नाम शामिल हो सकता है।

### कुल आठ मंत्री ले सकते हैं शपथ

बताया जा रहा है कि योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में कुल आठ मंत्री शपथ ले सकते हैं। इनमें छह नए चेहरे शामिल होंगे, जबकि दो राज?य मंत्रियों को प्रमोट कर कैबिनेट या स्वतंत्र प्रभार दिया जा सकता है। इस मंत्रिमंडल विस्तार के जरिये भाजपा जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी का फोकस ब्राह्मण, जाट, दलित, पासी, वाल्मीकि, लोधी और अति पिछड़े वर्ग के नेताओं को प्रतिनिधित?व देने पर बताया जा रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शपथ लेने वाले संभावित मंत्रियों में कृष्णा पासवान, मनोज पांडेय, कैलाश राजपूत, सोमेंद्र तोमर, अजीत सिंह पाल, भूपेंद्र सिंह चौधरी, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा का नाम शामिल है।

# डेढ़ करोड़ के सोने के साथ पकड़ाई सट्टा किंग सिपाही की खूबसूरत गर्लफ्रेंड, कभी बनना चाहती थी दारोगा

**उत्तरप्रदेश के झांसी में डेढ़ करोड़ के सोने और नकदी बरामदगी मामले में पकड़ी गई युवती यशस्वी की मां ने सिपाही रजत पर बेटी को प्रेमजाल में फंसाने का आरोप लगाया है.**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**झांसी।** डेढ़ करोड़ रुपये के सोने, लाखों की चांदी और नकदी बरामदगी मामले में पकड़ी गई युवती यशस्वी को लेकर उसकी मां ने बड़ा खुलासा किया है. मां का आरोप है कि यूपी पुलिस में तैनात सिपाही रजत ने उनकी बेटी को प्रेमजाल में फंसाकर उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी. उन्होंने कहा कि उनकी बेटी पढ़ाई में बेहद होशियार थी और दारोगा बनना चाहती थी, लेकिन रजत के संपर्क में आने के बाद उसकी जिंदगी बदल गई. दरअसल, शुक्रवार को झांसी पुलिस ने सीपरी बाजार थाना क्षेत्र की पॉश कॉलोनी रॉयल सिटी में छापेमारी कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये का सोना, 11 लाख रुपये की चांदी और 19 लाख रुपये नकद बरामद किए थे. इस मामले में दो महिलाओं - यशस्वी और निशा खान को हिरासत में लिया गया, जबकि सिपाही रजत समेत कई आरोपी फरार बताए जा रहे हैं. यशस्वी की मां ने बताया कि रजत और उनके पति एक ही चौकी पर तैनात थे. इसी दौरान उसका घर आना-जाना शुरू हुआ. हालांकि वह घर के अंदर नहीं आता था, लेकिन कॉलेज आने-जाने के दौरान उसने उनकी बेटी से नजदीकियां बढ़ा लीं. मां के मुताबिक, जब उन्हें इस रिश्ते की जानकारी हुई तो उन्होंने बेटी की शादी दूसरी जगह तय कर दी, लेकिन उसने रिश्ता ठुकरा दिया. मां ने कहा, 'बेटी साफ कहती थी कि वह सिर्फ रजत के साथ ही रहेगी. दोनों करीब 8 साल से लिव-इन में रह रहे थे. बाद में पता चला कि रजत पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं.

उसने हमारी बेटी को धोखे में रखा.' उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी लगातार रजत पर शादी का दबाव बनाती रही, लेकिन वह उसे टालता रहा. मां ने सवाल उठाया कि यदि रजत सच में उनकी बेटी से प्यार करता था तो पुलिस कार्रवाई के दौरान भागा क्यों? उन्होंने कहा कि रजत ने सिर्फ अपनी जरूरत के लिए उनकी बेटी का इस्तेमाल किया.

### मां बोली, अब घर नहीं आना चाहती है यशस्वी

मां के अनुसार परिवार ने कई बार बेटी को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी. यहां तक कि उसे रजत से दूर करने के लिए उसकी सगाई भी कर दी गई थी, मगर उसने रिश्ता तोड़ दिया. तभी परिवार को दोनों के प्रेम संबंधों का पता चला. थाने में हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए मां ने कहा कि उनकी बेटी ने अब घर लौटने से इनकार कर दिया है. उसने कहा कि वह बदनामी के साथ घर नहीं आना चाहती. मां ने कहा कि अगर बेटी वापस आती है तो परिवार उसे अपना लेगा, लेकिन अब पहले जैसा भरोसा कर पाना मुश्किल होगा.

## सीएम रेखा गुप्ता का ऐतिहासिक फैसला,सेंट्रल रिज का 673 हेक्टेयर इलाका आरक्षित वन घोषित, क्षेत्र में लगेंगे नीम, पीपल और जामुन के पेड़

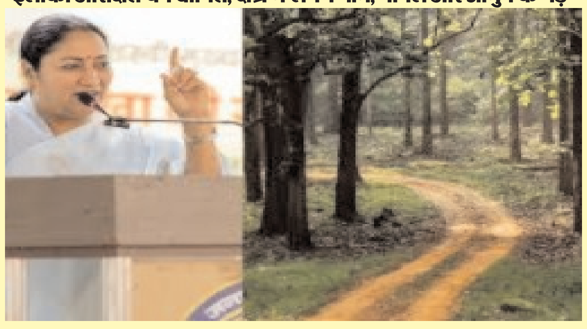

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने राजधानी में पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सेंट्रल रिज क्षेत्र के लगभग 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित कर दिया है। यह अधिसूचना भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत जारी की गई है। यह क्षेत्र वन विभाग के वेस्ट जोन के अधीन आता है और यह सरदार पटेल मार्ग और राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के हिस्सों से जुड़ा हुआ है।

### पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस निर्णय को दिल्ली की प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और पर्यावरण सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील रिज क्षेत्रों को कानूनी संरक्षण प्रदान करने का विषय कई दशकों से लंबित था, जिसे हमारी सरकार ने पूरा किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार अब तक कुल 4754.14 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को आरक्षित वन का दर्जा दे चुकी है। इससे पहले 24 अक्टूबर 2025 को दक्षिणी रिज क्षेत्र के लगभग 4080.82 हेक्टेयर क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किया गया था।

### लंबे समय से नहीं मिल पाया था कानूनी संरक्षण

सीएम के मुताबिक 1994 में दिल्ली के सभी पांच रिज क्षेत्रों को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 4 के तहत अधिसूचित किया गया था, लेकिन लंबे समय तक इन्हें अंतिम कानूनी संरक्षण नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि तीन दशक से अधिक समय से लंबित प्रक्रिया अब पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि सेंट्रल रिज राजधानी के मध्य में स्थित है और अपर रिज रोड के दोनों ओर फैला हुआ है। यह क्षेत्र दिल्ली रिज प्राचीन अरावली पर्वत श्रृंखला का विस्तार है और इसे राजधानी के 'ग्रीन लंग्स' के रूप में जाना जाता है।

### पूरे क्षेत्र में लगाए जाएंगे ये पेड़

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि आरक्षित वन घोषित किए गए रिज क्षेत्रों में जहां भी उपयुक्त और खाली भूमि उपलब्ध होगी, वहां बड़े स्तर पर देसी और पर्यावरण के अनुकूल प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इनमें नीम, पीपल, शीशम, जामुन, इमली और आम जैसे पेड़ शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र वायु गुणवत्ता सुधारने, भूजल स्तर बनाए रखने, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन और शहरी प्रदूषण के प्रभाव कम करने में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि रिज क्षेत्रों के इको सिस्टम को मजबूत करना और प्राकृतिक संतुलन को संरक्षित करना है।

## नासिक धर्मांतरण केसः जिस मकान में छिपी थी निदा खान, उस पर चलेगा बुलडोजर ? निगम ने भेजा नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नासिक।** महाराष्ट्र में नासिक के चर्चित धर्मांतरण मामले में अब सिर्फ पुलिस जांच ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्रवाई भी तेज होती दिखाई दे रही है. मुख्य आरोपी निदा खान की गिरफ्तारी के बाद अब उस मकान पर नोटिस चस्पा किया गया है, जहां वह छिपी हुई थी. छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम ने इस मकान को अवैध निर्माण बताते हुए तीन दिन में तोड़ने का नोटिस जारी कर दिया है. यह पूरा मामला तब और गरमा गया जब जांच में पार्षद मतीन पटेल का नाम सामने आया. शुरुआत में चर्चा थी कि नाहरेगांव इलाके में स्थित यह मकान मतीन पटेल का है, लेकिन बाद में जांच में पता चला कि मकान के मालिक हनीफ खान और सैयद सरवर हैं. दोनों ने यह मकान करीब 23 लाख रुपये में खरीदा था. मकान मालिकों का दावा है कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि वहां रहने वाली महिला नासिक धर्मांतरण मामले की आरोपी निदा खान है. उनका कहना है कि मतीन पटेल ने उन्हें बताया था कि उनके कुछ मेहमान कुछ दिनों के लिए रुकने वाले हैं, इसलिए मकान किराए पर दिलवाया गया. लेकिन जैसे ही पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ कि फरार चल रही निदा खान को यहीं पनाह दी गई थी, मामला पूरी तरह बदल गया.नगर निगम ने अब इस मकान को अनधिकृत निर्माण बताते हुए नोटिस जारी कर दिया है. मतीन पटेल के ऑफिस को भी अवैध निर्माण मानते हुए वहां भी नोटिस चस्पा किया गया है. इसके बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है. फरार रहने के दौरान निदा खान छत्रपति संभाजीनगर में छिपी हुई थी.

## दिल्ली में देर रात एनकाउंटर, पुलिस और बदमाशों के बीच चली गोली, दो गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** देर रात उस वक्त सनसनी फैल गई, जब सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई. पुलिस को सूचना मिली थी कि आपराधिक मामलों में शामिल दो आरोपी इलाके में आने वाले हैं. इसी इनपुट के आधार पर स्पेशल स्टाफ की टीम ने जाल बिछाया और संदिग्धों को घेरने की कोशिश की. पुलिस के मुताबिक, जैसे ही टीम ने दोनों आरोपियों को रोकने का इशारा किया, बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी. इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की. कुछ देर तक चली गोलीबारी के दौरान दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी और वे घायल हो गए. पुलिस ने मौके पर ही दोनों को पकड़ लिया. घायल आरोपियों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी पहले से कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं. फिलहाल उनकी पहचान और आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है. सूत्रों के अनुसार, पुलिस को इन आरोपियों की लंबे समय से तलाश थी और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी. मुठभेड़ के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई. मौके से हथियार और अन्य संदिग्ध सामान भी बरामद किए जाने की बात कही जा रही है. दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी किसी बड़े गैंग से जुड़े हैं या नहीं और हाल के दिनों में हुई किसी वारदात में उनकी भूमिका रही है या नहीं. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पूछताछ के बाद कई अहम खुलासे हो सकते हैं. वहीं इस मुठभेड़ के बाद इलाके में दहशत का माहौल हो गया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है.

## सुप्रिया सुले की कार को एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी. हादसे में सभी सुरक्षित रहे। सुप्रिया ने लोगों से सावधानी से ड्राइव करने की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पुणे-मुंबई।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले की कार शनिवार (9 मई) को पुणे से मुंबई जाते समय हादसे का शिकार हो गई. हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में सुप्रिया सुले और उनके साथ कार में मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं. इस घटना की जानकारी खुद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी. सुप्रिया सुले ने बताया कि मुंबई-पुणे हाईवे पर एक चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी कार को साइड से टक्कर मार दी. उन्होंने इसे बेहद खराब अनुभव बताया. हादसे के बाद कुछ समय के लिए मौके पर हलचल मच गई, लेकिन किसी को गंभीर चोट नहीं आई. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि ऐसी घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना कितनी बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है. उन्होंने लोगों से सीट बेल्ट लगाने, सतर्क रहने और जिम्मेदारी के साथ गाड़ी चलाने की अपील की. लोगों से की सड़क सुरक्षा की अपील सुप्रिया सुले ने कहा कि सड़क पर छोटी सी लापरवाही भी कई परिवारों के लिए बड़ी परेशानी बन सकती है. उन्होंने खास तौर पर हाईवे पर यात्रा करने वालों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की. उनका कहना था कि अगर सभी लोग सावधानी बरतें तो कई हादसों को रोका जा सकता है.

### सतारा के कार्यक्रम में हुई थीं शामिल

हादसे से पहले सुप्रिया सुले सतारा में आयोजित कर्मवीर पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल हुई थीं. यह कार्यक्रम प्रसिद्ध समाजसेवी और शिक्षाविद करमवीर भाऊराव पाटिल की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया था. कार्यक्रम के दौरान एडवोकेट बी.एन. नलावडे की आत्मकथा 'कर्मवीरांचे संगती' का विमोचन किया गया. इसके साथ ही 'रयत विज्ञान पत्रिका', 'रयत मासिक' और 'शैक्षिक गुणवत्ता संवर्धन योजना' भी लॉन्च की गई. इस मौके पर शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले कई लोगों को सम्मानित भी किया गया.एक दिन पहले सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया था. उन्होंने कहा था कि अगर सुनेत्रा पवार कभी महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री बनती हैं, तो सबसे पहले वह खुद उन्हें माला पहनाकर स्वागत करेंगी. हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 2029 के चुनाव तक राजनीति में कौन किस पार्टी में रहेगा, यह अभी कहना मुश्किल है. उनका यह बयान एनसीपी युवा नेता जय पवार के उस बयान के बाद आया था, मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं

## रक्षक ही बना भक्षकः पुणे की हाउसिंग सोसाइटी में पहले ही दिन गार्ड ने 4 मासूम बच्चियों से की हैवानियत, गिरफ्तार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पुणे।** की एक हाउसिंग सोसाइटी से सामने आई घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और मानवता दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. जिस सुरक्षाकर्मी पर सोसाइटी की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, उसी पर चार मासूम बच्चियों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है. भोसरी एमआईडीसी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.
घटना शुक्रवार दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच की बताई जा रही है. आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के गोंडा का रहने वाला दिनेश चौधरी के रूप में हुई है, जो सोसाइटी में वॉचमैन के पद पर तैनात था और यह उसका पहला ही दिन था.
पुलिस के अनुसार आरोपी ने 6, 8, 8 और 10 साल की चार बच्चियों को बहाने से फुसलाया. उसने उन्हें 'टेरेस पर पानी की टंकी दिखाने' का लालच दिया और बिल्डिंग की सातवीं मंजिल पर ले गया, जहां उनके साथ अश्लील हरकतें कीं और जबरदस्ती करने का प्रयास किया.

### बच्चियों को दी जान से मारने की धमकी

घटना के बाद आरोपी ने बच्चियों को धमकाया कि अगर उन्होंने किसी को बताया तो उन्हें जान से मार देगा. धमकी से डरी बच्चियां घर लौट आईं, लेकिन 10 वर्षीय बच्ची ने हिम्मत दिखाते हुए अपनी मां को पूरी घटना बताई.
जैसे ही माता-पिता को घटना की जानकारी मिली, वे तुरंत पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई. इस खुलासे के बाद परिवार और सोसाइटी में दहशत का माहौल बन गया.
मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और आरोपी को हिरासत में ले लिया.

### पोक्सो एक्ट के तहत मामला दज

भोसरी एमआईडीसी पुलिस ने आरोपी दिनेश चौधरी के खिलाफ पोक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है. इस घटना ने रिहायशी इलाकों में बच्चों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है. स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है और आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग उठ रही है.

## दिल्ली के महाराष्ट्र सदन में बदलेंगी गाड़ियांः CM के लिए खरीदी जाएगी नई कार, 3 पुराने वाहनों की होगी नीलामी

**महाराष्ट्र सदन (नई दिल्ली) के निवास आयुक्त और सचिव कार्यालय के तहत उपयोग में आ रहीं तीन पुरानी गाड़ियों को सरकारी परिवहन सेवा के माध्यम से नीलाम किया जाएगा।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**महाराष्ट्र।** सरकार ने नई दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन में उपयोग की जा रही पुरानी सरकारी गाड़ियों को बदलने और नई गाड़ियों की खरीद को मंजूरी दे दी है. जारी शासन निर्णय के अनुसार महाराष्ट्र सदन के निवास आयुक्त और सचिव कार्यालय के तहत इस्तेमाल हो रहे तीन वाहनों की नीलामी की जाएगी और उनकी जगह तीन नई गाड़ियां खरीदी जाएंगी. इनमें एक बुलेट प्रूफ वाहन मुख्यमंत्री के उपयोग के लिए खरीदा जाएगा. शासन ने यह खरीद निर्धारित वाहन मूल्य सीमा नीति और वित्त विभाग की शर्तों के अधीन मंजूर की है. अब जल्द ही इस प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा. ताकि किसी प्रकार की असहजता से बचा जा सके.

### पुरानी गाड़ियों की जाएगी नीलामी

सरकारी आदेश के अनुसार, वर्तमान में उपयोग में रही एक बुलेट प्रूफ गाड़ी और दो अन्य सामान्य गाड़ियों को सरकारी परिवहन सेवा के माध्यम से नीलाम किया जाएगा. नईगाड़ियों की खरीद राज्य सरकार की निर्धारित प्रक्रिया, वित्तीय अधिकार नियम पुस्तिका और सरकारी खरीद नीति के तहत की जाएगी. वाहन खरीद के लिए आवश्यक निधि संबंधित लेखाशीर्ष से उपलब्ध कराई जाएगी. जिसमें पूर्ण विवरण उपलब्ध रहेगा.

### सीएम के लिए बुलेटप्रूफ गाड़ी सरकारी मद से

सरकार ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के लिए खरीदे जाने वाले वाहन को बुलेट प्रूफ बनाने का खर्च भी संबंधित सरकारी मद से वहन किया जाएगा. यह निर्णय मुख्यमंत्री की सुरक्षा और वाहन संबंधी नियमों को देखकर लिया गया है. सरकारी सूत्रों के मुताबिक मंजूरी मिलने के बाद अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी. ताकि मुख्यमंत्री के लिए बुलेटप्रूफ गाड़ी का इंतजाम किया जा सके. इसके साथ ही पुराने वाहनों की नीलामी में भी तेजी आएगी. माना जा रहा है इस क्षेत्र की चुनिन्दा कंपनियां ही नीलामी में शामिल होंगी. पिछले दिनों हुई बैठक में इस निर्णय पर अंतिम मुहर लग चुकी है. यह एक नियमित प्रक्रिया है, जो सुरक्षा एजेंसियों के सुझावों और सलाह के बाद उठाया जाता है. अभी की कई गाड़ियां काफी पुरानी हो चुकी हैं. जिस कारण नई गाडियों की खरीद की मंजूरी मिली है.

## घूमने के दौरान हुई कहासुनी का बदला लेने के लिए दोस्त को मारा चाकू, नस कटने से हुई मौत, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

**दिल्ली के रणहौला में एक युवक ने अपने दोस्त की सिर्फ इसलिए चाकू मारकर हत्या कर दी क्योंकि उसने आरोपी के भाई को 'चोर' कह दिया था। हमले के बाद आरोपी खुद घायल को अस्पताल छोड़कर फरार हो गया, जहां दो दिनों तक चले इलाज के बाद युवक ने दम तोड़ दिया।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** बाहरी दिल्ली के रणहौला थाना क्षेत्र में मामूली विवाद के खूनी संघर्ष में बदलने का मामला सामने आया है। यहां एक युवक की उसके दोस्त ने महज इसलिए चाकू मारकर हत्या कर दी क्योंकि उसने आरोपी के भाई के बारे में अपशब्द कहे थे। मृतक की पहचान 23 वर्षीय आशु के रूप में हुई है, जो नंगली विहार कॉलोनी का निवासी था। पुलिस ने आरोपी विपिन को गिरफ्तार किया है।

### मृतक के पिता ने लगाया आरोप

मृतक के पिता हरीश पटेल ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अस्पताल में आशु को समय पर और सही इलाज नहीं मिला, जिस कारण उसकी मौत हुई। घटना की शुरुआत 5 मई, मंगलवार की शाम को हुई। मृतक की मां ममता ने बताया कि आशु शाम को यह कहकर घर से निकला था कि वह 5 मिनट में लौट आएगा। जब वह रात में खाने के वक्त तक नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसे कॉल किया। फोन किसी अन्य व्यक्ति ने उठाया और बताया कि आशु पर चाकू से हमला हुआ है। आनन-फानन में परिवार के लोग दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल पहुंचे, जहां उन्हें आशु की गंभीर हालत के बारे में पता चला। आरोपी विपिन ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले जब वे दिल्ली से बाहर घूमने गए थे, तब आशु ने विपिन के छोटे भाई को 'चोर' और 'स्मैकिया' कह दिया था। विपिन इसका बदला लेना चाहता था। मंगलवार को इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हुई और विपिन ने किचन में इस्तेमाल होने वाले चाकू से आशु की जांघ पर वार कर दिया। चाकू लगने से शरीर की मुख्य नस कट गई और अधिक खून बहने लगा।

### आरोपी खुद घायल को लेकर पहुंचा अस्पताल

घायल आशु को विपिन ही अपने एक अन्य साथी की मदद से अस्पताल लेकर पहुंचा था। जब डॉक्टरों ने घटना के बारे में पूछा, तो विपिन वहां से भाग गया। बाद में पुलिस ने उसे पकड़ लिया। अस्पताल में इलाज के दौरान आशु को खून की भारी कमी हो गई थी, जिसे पूरा करने के लिए रणहौला थाने के पुलिसकर्मियों ने ब्लड डोनेट भी किया, लेकिन 7 मई की रात आशु की मौत हो गई।

## 'थप्पड़ क्यों मारा...', पूछने गया नाबालिग, तो चाकुओं से गोदकर कर दी गई हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** उत्तर-पूर्वी दिल्ली के थाना उस्मानपुर इलाके में मामूली विवाद के बाद 16 वर्षीय नाबालिग अयान की चाकू मारकर हत्या कर दिए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई. घटना गौतम विहार गली नंबर-4 की बताई जा रही है. वारदात के बाद इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया, जिसके चलते भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपी की तलाश की जा रही है. जानकारी के मुताबिक मृतक अयान अपने परिवार के साथ गौतम विहार इलाके में रहता था. परिजनों का आरोप है कि इलाके में रहने वाले एक युवक ने किसी बात को लेकर अयान को थप्पड़ मार दिया था. इस बात से नाराज अयान कारण पूछने के लिए पास की गली में गया था. आरोप है कि वहां पहले से मौजूद युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर अयान पर चाकुओं से हमला कर दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने अयान पर ताबड़तोड़ कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों और परिजनों ने घायल अयान को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. नाबालिग की हत्या की खबर मिलते ही इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई. लोगों में घटना को लेकर गुस्सा देखा गया. हालात को देखते हुए पुलिस ने मौके पर अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी, ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति न पैदा हो. पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया और जांच शुरू की. फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है. शुरुआती जांच में मामला आपसी विवाद का बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है. पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान और घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके. सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने कुछ संदिग्ध युवकों की पहचान कर ली है और उनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है. इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटी-छोटी बातों पर बढ़ती हिंसक घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं. वहीं, परिजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है.

## इंसानियत की मिसाल बने सागर, डूब रहे बच्चे को बचाया; दिल्ली पुलिस करेगी सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास शुक्रवार दोपहर नहर में डूबने से 12 साल के एक बच्चे की मौत के बाद से जहां एक तरफ लोग संबंधित विभाग की लापरवाही को लेकर सवाल उठा रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ एमसीडी कर्मचारी सागर की बहादुरी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, सागर ने इस घटना में अपनी जान की परवाह किए बिना नहर में डूब रहे एक बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। उन्होंने दूसरे बच्चे को भी बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए।

### दूसरे बच्चे को न बचा पाने का है दुख

जानकारी के अनुसार, 33 वर्षीय एमसीडी सफाई कर्मचारी सागर कुमार शुक्रवार दोपहर नाले के पास से गुजर रहे थे। तभी उन्होंने कुछ बच्चों को शोर मचाते देखा। पास जाकर देखा तो दो बच्चे नहर में डूब रहे थे और आसपास मौजूद बच्चे घबराहट में थे। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए सागर ने बिना समय गंवाए नहर के पास से रस्सी फेंक कर एक बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल रहे। उन्होंने दूसरे बच्चे को भी बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे उसे बचा नहीं सके। सागर को इस बात का काफी दुख है।

### दिल्ली पुलिस करेगी सम्मानित

वहीं, घटना के बाद से पूरे इलाके में सागर की बहादुरी की चर्चा हो रही है। स्थानीय लोग उनकी हिम्मत की सराहना कर रहे हैं और उन्हें सच्चा हीरो बता रहे हैं। पीड़ित परिवार ने भी सागर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद अदा किया है। दिल्ली पुलिस ने भी सागर के इस साहसिक कदम की सराहना की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि सागर को उनके साहस और मानवता के लिए जल्द ही सम्मानित किया जाएगा। सिविल लाइस जोन में सफाई कर्मचारी हैं सागर सागर आदर्श नगर के बढ़ोला गांव में माता, पिता, पत्नी और ढाई साल की बेटी के साथ रहते हैं। सागर ने बताया कि वह सिविल लाइस जोन में सफाई कर्मचारी हैं।

## 'बंगाल में गुंडाराज का कल्चर...', BJP सरकार बनने के बाद रामदास आठवले ने लगाए दिए बड़े आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बंगाल।** केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता सुवेंदु अधिकारी पहले ममता बनर्जी के साथ थे, लेकिन साल 2020 में भाजपा में शामिल हो गए. आठवले ने कहा कि बंगाल चुनाव में भाजपा ने उनके नेतृत्व में मजबूती से चुनाव लड़ा और पार्टी को बड़ा समर्थन मिला. उन्होंने कहा कि भाजपा ने वहां करीब 207 सीटें जीतीं. ममता बनर्जी की पकड़ कमजोर हुई है, और उन्होंने बंगाल को आर्थिक रूप से बर्बाद कर दिया है. वह बंगाल में 'गुंडाराज' का कल्चर लाईं. इस वजह से लोगों ने वोटिंग के जरिए अपना गुस्सा जाहिर किया है. भंडारा में दर्दनाक वारदात! 50 साल के दरिंदे ने किया नाबालिग बच्ची का रेप... पीड़िता 4 महीने की गर्भवती उन्होंने कहा कि लोगों ने वोटिंग के जरिए अपना गुस्सा जाहिर किया है. आठवले ने यह भी कहा कि जनादेश आने के बाद ममता बनर्जी ने इस्तीफा नहीं दिया, जबकि पहले ऐसा पहले कभी नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में एम के स्टालिन ने इस्तीफा दिया था. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना बंगाल को 'सोनार बांग्ला' बनाना है. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर राज्य में सबको न्याय मिलेगा और विकास के नए काम होंगे. आठवले के मुताबिक बंगाल देश के मजबूत राज्यों में शामिल हो सकता है, लेकिन इसके लिए बेहतर प्रशासन और कानून व्यवस्था जरूरी है. उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा राज्य में विकास और रोजगार पर फोकस करेगी.

# हम दुनिया को दिखाएंगे सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं

**–टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनी कीर्तना ने बोली फर्राटेदार हिंदी**

**चेन्नई (एजेंसी)।** विजय ने जिस दिन सीएम पद की शपथ ली, उसी दिन एस कीर्तना ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। वह नवगठित मंत्रिमंडल में शामिल 9 मंत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने रविवार सुबह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एन आनंद, आधव अर्जुन, के ए सेंगोत्तैयान, पी वेंकटरमनन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, टी के प्रभु और के जी अनुराज के साथ शपथ ग्रहण की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण करने के बाद कीर्तना ने कहा कि तमिलनाडु की नई सरकार शासन में एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है क्योंकि किसी अन्य राज्य में इस तरह का कैबिनेट मंत्री नहीं होगा। कोई हमें ऐसा मौका नहीं देगा। हम दुनिया को दिखाएंगे कि हम सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं। कीर्तना शिवकाशी से नवनिर्वाचित विधायक हैं, जिसे अक्सर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कीर्तना 29 साल की आयु में मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में 11,697 वोटों के अंतर से शिवकाशी सीट जीती। वह विजय के मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला हैं और शिवकाशी से पहली महिला विधायक हैं, जिन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र में करीब सात दशकों के पुरुष वर्चस्व को खत्म किया है।

कई भाषाओं में धाराप्रवाह बोलने वाली कीर्थना ने हिंदी पर अपनी मजबूत पकड़ के लिए ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपने भाषण में फर्राटेदार हिंदी बोली। विशेष रूप से तमिलनाडु में, जहां भाषा एक संवेदनशील और राजनीतिक रूप से अहम मुद्दा बनी हुई है। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। विजय ने जनता को उनके जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित सरकार बनाने के लिए एकजुट प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण व्यक्ति हैं जो झूठे वादों से बचेंगे और केवल उन्हीं कार्यों को पूरा करेंगे जो संभव हैं।

## सुप्रिया सुले की कार को दूसरे वाहन ने बगल से टक्कर मारी, बाल-बाल बचीं, सभी लोग सुरक्षित

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले शनिवार को एक सड़क हादसे का शिकार होने से बाल-बाल

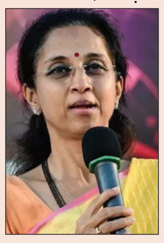

बच गईं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी कार को बगल से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस घटना में सुप्रिया सुले और उनके साथ मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पुणे से मुंबई आते समय गुजरात पंजीकरण नंबर वाले एक वाहन ने लापरवाही से उनकी कार को टक्कर मारी। उन्होंने वाहन की नंबर प्लेट साझा करते हुए ड्राइवरों से सीट बेल्ट पहनने और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने की अपील की। उन्होंने कहा, तेज गति और लापरवाही जानलेवा हो सकती है, यह घटना हम सभी के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

**राज्यसभा नहीं जाएंगे जय पवार**

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार ने राज्यसभा जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी मां वर्ष 2029 में मुख्यमंत्री पद की दावेदार होंगी। मीडिया से बातचीत में जय पवार ने कहा कि वह राज्यसभा नहीं जाएंगे और बारामती में रहकर लोगों के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, बारामती के लोग और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकर्ता चाहते थे कि अजित पवार मुख्यमंत्री बनें, लेकिन उनके आकस्मिक निधन के कारण यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। अब कार्यकर्ताओं और लोगों को उम्मीद है कि सुनेत्रा पवार मुख्यमंत्री बनकर अजित दादा की इच्छा पूरी करेंगी।

## शेख हसीना ने बंगाल के सीएम सुवेंदु को दी बधाई, कहा-मित्रता और संबंध होंगे मजबूत

जम्मू (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सीएम के रूप में शपथ लेने वाले सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी। बांग्लादेश अवामी लीग ने भी एक पत्र साझा कर अधिकारी को बधाई दी। पत्र में अवामी लीग पार्टी ने अपने संदेश में, उन्होंने पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। शेख हसीना ने आशा व्यक्त की कि उनके सक्षम नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास और भी तीव्र होगा और बांग्लादेश और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रता और सहयोग के संबंध और मजबूत होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में आगे कहा गया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और जनता के निरंतर समृद्धि और खुशहाली की भी कामना की। सुवेंदु अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के साथ हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत किया। वहीं तृणमूल ने 80 सीटें जीतीं।

## केरल में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए रार

**–दिल्ली में शुरु हुआ मंथन, टटोला जा रहा है मन**

**तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।** केरल में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के 10 साल के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद कांग्रेस गठबंधन (यूडीएफ) सत्ता में वापसी तो कर चुका है, लेकिन पार्टी के भीतर जश्न से ज्यादा मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए तीन दिग्गजों–वीडी सतीसन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल के बीच छिड़ी यह जंग अब सड़कों तक पहुंच गई है। शनिवार को केरल कांग्रेस के तमाम बड़े नेता दिल्ली में डेरा डाले रहे, जहां आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी रहा। माना जा रहा है कि अगले 24 घंटों में केरल के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग जाएगी।

सत्ता की यह होड़ उस समय विवादित हो गई जब तिरुवनंतपुरम से लेकर इडुक्की तक समर्थकों ने अपने-अपने पसंदीदा नेताओं के पक्ष में पोस्टर युद्ध छेड़ दिया। इडुक्की में दिवंगत नेता ओमान चांडी और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की तस्वीर वाले फ्लेक्स बोर्ड को फाड़कर उस पर कालिख पोत दी गई, जिसकी कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन और पीजे कुरियन ने कड़ी निंदा की है। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि दबाव की राजनीति से नेतृत्व तय नहीं किया जा सकता। दावेदारों की बात करें तो निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन को एलडीएफ के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए जाना जाता है और उन्हें मुस्लिम लीग का भी समर्थन प्राप्त है। दूसरी ओर, रमेश चेन्निथला की संगठन पर मजबूत पकड़ है और उन्हें सोनिया गांधी का करीबी माना जाता है। वहीं, केसी वेणुगोपाल राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेहद भरोसेमंद हैं, हालांकि उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। इनके साथ ही तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर का नाम भी चर्चा में है, जिन्होंने हाल ही में पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात कर राज्य की स्थिति पर फीडबैक दिया है। चयन प्रक्रिया के तहत एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने विधायकों की व्यक्तिगत राय लेकर रिपोर्ट मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दी है। शनिवार को खड़गे के आवास पर हुई अहम बैठक में गठबंधन के साथियों, विशेषकर मुस्लिम लीग की पसंद पर भी विचार किया गया। वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने स्पष्ट किया कि केवल वरिष्ठता ही नहीं, बल्कि सहयोगियों की राय भी इस फैसले में महत्वपूर्ण होगी। अब सबकी निगाहें राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, ताकि नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले पार्टी की गुटबाजी को शांत किया जा सके।

# अब एक और आप विधायक विवादों में, युवक ने लगाए नौकरी का झांसा देकर पैसे लेने के आरोप

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** लुधियाना से आम आदमी पार्टी के विधायक अशोक कुमार पाराशर विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। फर्जी नौकरियों के लगे आरोपों में घिरा युवक निखिल सभ्रवाल मीडिया के सामने आया। निखिल ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। जबकि नौकरियों का झांसा देकर लोगों को जितने भी पैसे लिए जाते थे वह विधायक पाराशर को दिए जाते थे।

मीडिया के सामने आए निखिल ने बताया कि जब उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तो उसे मजबूरन मीडिया के सामने आना पड़ा। उसे नकली पीए बोलकर 2 साल बाद मामला दर्ज करवा दिया गया है। विधायक उसे 13 हजार रुपए देते थे। जितने भी उलटे सीधे काम होते थे उससे करवाते थे। जेब खर्च पानी के लिए 5-6 हजार देते थे।

निखिल ने कहा कि क्या पहले ये लोग सो रहे थे, अब इन्हें याद आ गई। मेरे उपर आरोप लगाए गए हैं, नकली पीए है। उसने कहा कि मेरा आईडी कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम चेक कर सकते हैं। मेरी वीडियो और तस्वीरें चेक कर लें। युवक ने कहा कि वह अशोक पाराशर पप्पी का पीए है। उसका आफिस इंचार्ज का आईकार्ड बना हुआ है। जब 2022 में वह विधायक बने तब से उनके साथ काम कर रहा हूं। उसे प्राइवेट रखा हुआ था। युवक निखिल ने बताया कि, विधायक के दफ्तर का सारा काम वह

करता था। सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक वह दफ्तर में ही काम करता था।

निखिल ने आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों को नौकरियां देने का झांसा देकर 1.70 लाख रुपए लिए जिन्हें विधायक को दिए। ये रकम इतनी ही नहीं बल्कि 80-90 करोड़ों रुपए से ज्यादा तक जाएगी। अभी तो सिर्फ 2 लोग ही सामने आए हैं, जिससे ये मामला सामने आया। डीसी रेट की भर्ती के लिए एक लाख रुपए लेने के लिए कहा जाता था। किसी व्यक्ति से 90 हजार रुपए लेकर 10 हजार निखिल खुद रखता था। उसके रिश्तेदार भी फंस गए। निखिल ने बताया कि उसके पिता की मौत 2022 में हो गई है, उसके परिवार में उसकी मां, दादी, और बहन है। जिन लोगों को नौकरी की बात का झांसा दिया उनमें उसके परिवार के लोग भी शामिल है। युवक ने कहा कि, विधायक के कारण उसका अपना घर बिक गया।

निखिल ने कहा कि हर बार उसे कहा जाता था कि, तेरा काम सही है हमारे साथ रहेगा तो आगे तक जाएगा। चुनावों के दौरान प्रचार दौरान जितने भी पेमेंट गई उसके बिल पड़े हैं। इसके अलावा उसके पास बैंक खातों के स्टेटमेंट भी है। निखिल ने कहा आने वाले समय में सभी सबूत दिखा दूंगा। उसने अपना आईडी कार्ड दिखाते हुए कहा कि वह नकली पीए नहीं है। उसकी सोशल मीडिया पर निखिल सभ्रवाल की आईडी है। कोई भी विधायक ऐसे ही किसी को अपनी कुर्सी पर नहीं बैठाता। किसी व्यक्ति ने मेरी शिकायत करवा दी, कि ये विधायक पाराशर का पीए है। युवक ने बताया कि उसकी 2 नंबर थाने में शिकायत दी गई। थाने का टीएसपी भनोट विधायक पाराशर का खास दोस्त है। शिकायत मिलने पर उसने विधायक को फोन कर दिया कि, आपके खिलाफ शिकायत मिली है। इसके बाद विधायक ने कहा कि इसके खिलाफ मामला दर्ज कर लो नहीं तो मैं फंस जाऊंगा।

इसके बाद निखिल 2 महीने दुबई चला गया, लेकिन इस दौरान उसके परिवार वालों को तंग किया जाता था। उसके घर में अलग-अलग थाने की पुलिस आती थी। इस बात से परेशान होकर वह वापस आया है। और लोगों को सच्चाई बताई। प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच सीबीआई और होम मिनिस्टर, ईडी से जांच करवाई जाए। क्योंकि पंजाब की पुलिस से कोई उम्मीद नहीं है। युवक ने अपनी जान को भी खतरा बताया। उसने कहा कि वह मीडिया के सामने नहीं आना चाहता था। परिवार वालों की जान को खतरा है। जल्द से जल्द पूरे प्रूफ सार्वजनिक करूंगा।

वहीं, दूसरी तरफ विधायक अशोक पाराशर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की ओछी साजिश बताया है। विधायक ने कहा कि आरोपी उसके आफिस में आता था और जब उन्हें उसकी ठगी का पता चला, तो उन्होंने खुद पीड़ितों की मदद की और पुलिस से केस दर्ज करवाया। आरोपी अब बीजेपी नेता गुरदेव देबी के साथ मिलकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। आरोपी के पास कोई सबूत नहीं है। सिर्फ फर्जी कागज़ दिखा कर आरोप लगा रहा है। उसकी किसी बात में कोई सच्चाई नहीं है।

## धान की फसल लगाने वालों पर जुर्माना लगाया जाए

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**राजनांदगांव।** पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने शासन प्रशासन से मांग किया है कि जो लोग शासन के तमाम दिशा निर्देशों के बावजूद भी अत्यधिक पानी लगने वाले फसल धान बोए हुए हैं उन किसानों पर जुर्माना ठोका जाए साथ ही जिन लोगों ने शासन प्रशासन की बात को महत्व देते हुए सिंचाई साधन होते हुए भी धान की खेती नहीं किए हैं ऐसे किसानों को सम्मानित किया जाए और उन्हें प्रति हेक्टेयर मुआवजा दिया जाए यह आश्चर्य की बात है कि कभी-कभी सरकार की पॉलिसी ईमानदार व्यक्तियों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाती है जैसा की पूर्व में सरकार द्वारा जो लोग डिफाल्टर है 10 साल 15 साल उनका भी कर्ज माफी किया गया शासन की मंशा थी कि यह रेगुलर पुनः सोसाइटी में जुड़े जिससे कोऑपरेटिव की संख्या किसानों की संख्या बढ़े लेकिन जो डिफाल्टर 10 15 साल से पैसा नहीं पटाए थे उनकी तो चांदी हो गई और वह लाखों रुपए सरकार का लेकर बैठ चुके हैं लेकिन जो लोग प्रतिवर्ष दिए गए लोन की कर्ज अदा ईमानदारी से करते हैं उनको क्या मिला और वह अपने आप को ठगा महसूस करने लगे गर्मी में पानी की समस्या और घटते भुजल स्तर को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक मुहिम छेड़ी थी कि घटते भूजल स्तर एवं गर्मी में पानी की परेशानी को देखते हुए कम पानी वाले फसल लेने की अपील किया था फसल ना भी ले तो भी बेहतर है लेकिन कुछ लोगों ने शासन प्रशासन के नियमों कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए धान की फसल लगाए हुए हैं ऐसे में जो किसान जिनके पास सिंचाई का साधन है धान नहीं लगाया वह अपने आप को ठगा महसूस कर रहे है ऐसे किसानों को प्रति हेक्टेयर मुआवजा दिया जाए उन्हें सम्मानित किया जाए एवं जो शासन प्रशासन के आव्हान के बावजूद धान की फसल लगाए हुए हैं उन पर जुर्माना ठोंका जाए

# हार के बाद भाजपा को हराने साझा मंच बनाने निकलीं ममता

**एकजुट होने की कर रहीं अपील**

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद राज्य की राजनीति में मचे उथल-पुथल के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। राज्य की सत्ता भाजपा के हाथों में जाने के बाद अब ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है। शनिवार को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी भाजपा विरोधी ताकतों को एक साझा मंच पर आने का आह्वान किया।

ममता बनर्जी ने अपनी अपील में न केवल क्षेत्रीय दलों, बल्कि वामपंथी और अति-वामपंथी विचारधारा वाले दलों को भी साथ आने को कहा। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए वह किसी भी दल से संवाद

करने को तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब यह सोचने का समय नहीं है कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त है, बल्कि यह समझने की जरूरत है कि मुख्य वैचारिक और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा है और उससे मुकाबला करने के लिए एकजुटता अनिवार्य है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों के बाद से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में गुंडागर्दी बढ़ गई है और असामाजिक तत्व सत्ताधारी दल की आड़ में हिंसा फैला रहे हैं। अपने कार्यकाल की याद दिलाते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 2011 में जब वह पहली बार सत्ता में आई थीं, तब उन्होंने इस तरह की प्रतिशोध की राजनीति को अनुमति नहीं दी थी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से भाजपा ने 207 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल कर पहली बार राज्य में अपनी सरकार बनाई है। वहीं, टीएमसी को महज 80 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। इस हार के बाद ममता बनर्जी अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके इस न्यौते पर अन्य विपक्षी दल क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

## हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

**–मंत्री घोष बोले– यह तय कर रहे हैं किसे कौन सी जिम्मेदारी और भूमिका सौंपी जाए**

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोज़गार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को

फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है। जनता को पहले ही विश्वास हो गया था कि बीजेपी ही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है। वहीं यूपी सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का विकास बीजेपी की प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने वहां की जनता से विकास का जो वादा किया है, हम निश्चित तौर पर उसे निभाएंगे। पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से घुसपैठ होती थी। भारतीयों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था मजबूत हो। वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम होना चाहिए।

## सिद्धार्थनगर में जहरीला हुआ सरसों तेल, 28 में से 22 नमूने फेल, सेहत से खिलवाड़ का बड़ा खुलासा

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। जिले में रसोई के सबसे अनिवार्य हिस्से, सरसों तेल की शुद्धता को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गई हालिया जांच में सरसों तेल के 28 नमूनों में से 22 नमूने फेल पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जांचे गए नमूनों में से छह में लेबलिंग की खामियां मिलीं, जबकि अन्य नमूनों में सीधे तौर पर मिलावट की पुष्टि हुई है। यह स्थिति जिले के लाखों उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के 25 नमूनों के साथ पिछले वर्ष के तीन लंबित नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक की है। तकनीकी जांच में कई नमूनों की आयोडीन, सपोनिफिकेशन और रेंसी वैल्यू तय मानकों से काफी अधिक मिली है। विशेष रूप से बांसी कस्बे से लिए गए एक नमूने में आयोडीन वैल्यू खतरनाक स्तर पर पाई गई। जानकारों का कहना है कि तेल के मानकों में इस तरह की गिरावट सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकती है। जिले में सरसों का स्थानीय उत्पादन कम होने के कारण लगभग 95 प्रतिशत आबादी बाजार के ब्रांडेड और खुले तेल पर निर्भर है।

# पाकिस्तान की निकलेगी दम, भारत तैयार कर रहा एक विशाल ‘ड्रोन फोर्स’

**ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने बदली जंग की रणनीति**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पहली बार एक विशाल ‘ड्रोन फोर्स’ तैयार करने का फैसला कर लिया है। यह नई फोर्स भविष्य के किसी भी सैन्य हमले में ‘फर्स्ट रेस्पोंडर’ यानी सबसे पहले जवाबी कार्रवाई करने वाली ताकत होगी। रक्षा प्रतिष्ठान के मुताबिक इस फोर्स को डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर सिस्टम का तकनीकी सहयोग मिलेगा, जिससे युद्ध के दौरान दुश्मन की गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकेगी और सटीक हमले किए जा सके।

इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के अनुसार फिलहाल करीब 50 हजार सैन्य कर्मियों को ड्रोन संचालन और आधुनिक युद्ध तकनीकों का प्रशिक्षण मिल रहा है। अगले तीन वर्षों में 15 नए ‘सेंटर ऑफ एक्सीलेंस’ बनाए जाएंगे, जहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए सैनिकों को रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी। भविष्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को भी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। यह फोर्स इंटेलिजेंस, सर्विलांस और प्रिसीजन स्ट्राइक यानी सटीक हमले की दोहरी भूमिका निभाएगी। इस वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड और सेना के ‘आकाशतीर’ सिस्टम का सुरक्षा कवच मिलेगा।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा उत्पादन में भी तेजी से आत्मनिर्भरता हासिल की है। देश का रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। तीनों सेनाओं के लिए थिएटर कमांड की तैयारी हो रही है। दुश्मन के सस्ते ड्रोन हमलों से निपटने के लिए अब ‘सॉफ्ट किल’ तकनीक जैसे जैमिंग और स्पूफिंग के साथ ‘हार्ड किल’ तकनीक जैसे लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रोन फोर्स की अवधारणा तब मजबूत हुई जब पाकिस्तान ने करीब 1,000 ड्रोन के जरिए भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम की कमजोरियों को परखने की कोशिश की। इसके बाद सेना ने तय किया कि भविष्य के युद्धों में हर सैनिक के पास अपना ड्रोन होना चाहिए। योजना के तहत सेना की प्रत्येक कोर में लगभग 8,000 ड्रोन शामिल किए जाएंगे, जिससे एक लाख ड्रोन की बड़ी ताकत तैयार होगी।

देश में रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप और एमएसएमई की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है। इस वर्ष 120 नए डिफेंस स्टार्टअप शुरू हुए हैं, जिनमें 20 कंपनियां ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर तकनीकों पर काम कर रही हैं। भारत अब मिसाइलों के अहम सेंसर और इंजन जैसे महत्वपूर्ण उपकरण भी खुद बना रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भविष्य के युद्ध ‘मल्टी-डोमेन’ होंगे, जहां अंतरिक्ष से समुद्र तक एक साथ लड़ाई लड़ी जाएगी। इसतरह से भारत अब

इसतरह के ड्रोन विकसित कर रहा है जो बिना जीपीएस के भी काम कर सकें और जिन्हें जैम करना बेहद मुश्किल हो।

## संक्षिप्त समाचार

### ब्रिटेन : स्थानीय चुनाव हारने की प्रधानमंत्री स्टार्मर ने ली जिम्मेदारी

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में स्थानीय परिषदों और स्कॉटलैंड-वेल्स की संसदों के लिए गुरुवार को हुए चुनावों के नतीजे शुक्रवार को आना शुरू हुए। इनमें पीएम कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी हारी है और आप्रवासन विरोधी रिफॉर्म यूके जीती है। अब पीएम पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। पीएम स्टार्मर ने ?लेबर पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, इससे उनके संकल्प में कमी नहीं आएगी। वेस्टमिंस्टर, साउथेम्प्टन, एक्सेटर, रेडिच, वैंड्सवर्थ, हार्टलपूल, टैमवर्थ व टैमसाइड में लेबर हारी है। इन नतीजों को एकतरह से जनमत संग्रह माना जा रहा है।

### इंडोनेशिया : निवेश घोटालों में 210 विदेशी गिरफ्तार

**जकार्ता, एजेंसी।** इंडोनेशियाई आव्रजन अफसरों ने सिंगापुर से 20 किमी दूर बाटाम द्वीप पर ऑनलाइन निवेश घोटालों में शामिल होने के आरोप में 210 विदेशी गिरफ्तार किए हैं। इनमें से 125 वियतनाम से, 84 चीन से और एक म्यांमार से थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में 163 पुरुष और 47 महिलाएं हैं। इनमें से अधिकांश पर्यटक या आगंतुक वीजा पर थे, जो काम करने या व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति नहीं देते हैं।

### हंतावायरस को लेकर स्पेन में अलर्ट

**मैड्रिड, एजेंसी।** स्पेन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने हंतावायरस संक्रमण से प्रभावित क्रूज जहाज को लेकर अलर्ट जारी किया है। यह जहाज रविवार को कैनरी द्वीप समूह के टेनेरिफे पहुंचने वाला है। जहाज में 140 से ज्यादा यात्री और चालक दल के सदस्य मौजूद हैं। अब तक इस संक्रमण से तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पांच यात्री संक्रमित पाए गए हैं। क्रूज कंपनी ने कहा है कि फिलहाल जहाज पर किसी में नए लक्षण नहीं दिखे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ड।।ह्र) ने आम लोगों के लिए खतरे को कम बताया है और कहा है कि यह वायरस आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलता। हालांकि, एंडीज वायरस के कुछ मामलों में सीमित मानव संक्रमण की आशंका रहती है। स्पेन सरकार यात्रियों को सुरक्षित तरीके से उतारने की तैयारी कर रही है। उन्हें छोटे समूहों में अलग-अलग नावों से लाया जाएगा और सीधे सुरक्षित बसों के जरिए एयरपोर्ट पहुंचाया जाएगा। एयरपोर्ट के कुछ हिस्सों को भी आम लोगों से अलग रखा जाएगा। इस बीच कई देशों में उन यात्रियों की तलाश जारी है, जो संक्रमण की पुष्टि से पहले जहाज छोड़ चुके थे। ब्रिटेन, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और स्पेन में संदिग्ध मामलों की जांच की जा रही है।

### अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में संदिग्ध ड्रग बोट तबाह, दो लोगों की मौत

**न्यूयार्क, एजेंसी।** अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक संदिग्ध ड्रग तस्करी वाली नाव पर हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति बच गया। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में समुद्र के बीच एक नाव दिखाई देती है, जिसके बाद जोरदार विस्फोट होता है और आग की लपटें उठने लगती हैं। सेना ने बताया कि घटना के तुरंत बाद अमेरिकी कोस्ट गार्ड को बचाव अभियान शुरू करने के लिए सूचना दी गई। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नई आतंकवाद-रोधी रणनीति को मंजूरी दी है। इस रणनीति में ड्रग कार्टेल्स को खत्म करना सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया गया है। सितंबर 2025 से अमेरिका लैटिन अमेरिकी समुद्री इलाकों में संदिग्ध ड्रग बोट्स के खिलाफ लगातार सैन्य कार्रवाई कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक ऐसी कार्रवाइयों में करीब 193 लोगों की मौत हो चुकी है। उनका कहना है कि अमेरिकी सेना ने अब तक यह सार्वजनिक नहीं किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें वास्तव में ड्रग्स थे या नहीं।

### पूर्व प्रिंस एंड्रयू को डराने के मामले में शख्स पर आरोप तय

**लंदन, एजेंसी।** पूर्वी इंग्लैंड में सैंड्रिंघम एस्टेट के पास पूर्व प्रिंस एंड्रयू (एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर) को धमकाने के आरोप में एलेक्स जेनकिंसन नामक व्यक्ति पर केस दर्ज किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार एक नकाबपोश व्यक्ति ने कुत्ते टहलाते समय एंड्रयू का पीछा किया और अपशब्द कहे। आरोपी को बुधवार शाम गिरफ्तार किया गया। एंड्रयू से जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों के आरोपों के बाद शाही सम्मान छीना जा चुका हैं।

### दुबई में समुद्री हादसे में भारतीय क्रू सदस्य की मौत

**दुबई , एजेंसी।** दुबई में एक दुखद समुद्री हादसे में भारतीय जहाज के एक क्रू सदस्य की मौत हो गई। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए गहरा दुख जताया। हालांकि, अभी तक हादसे की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। भारतीय मिशन ने बताया कि वह जहाज के मालिकों के संपर्क में है।

# यूक्रेन: 1 मई से अब तक रूसी हमलों में, 70 लोगों की मौत, 500 से अधिक घायल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** यूक्रेन में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निगरानी मिशन ने बताया है कि 5 मई को रूसी सैन्य बलों के सिलसिलेवार हमलों में 28 लोगों की जान गई थी और 194 घायल हुए थे. 1 मई से 5 मई के दौरान, ड्रोन व मिसाइल हमलों में कम से कम 70 लोग मारे गए हैं और 500 से अधिक घायल हुए हैं. यूएन मिशन इन घटनाओं में हताहत होने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहा है. रूसी सैन्य बलों ने 24 फ़रवरी 2022 को यूक्रेन में पूर्ण स्तर का आक्रमण शुरू किया था, जिसके बाद से देश एक विशाल मानवीय संकट से जूझ रहा है. लड़ाई के अग्रिम मोर्चे वाले इलाक़ों में आम नागरिकों कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. ।।क्रक्रू की प्रमुख डैनियल बैल के अनुसार, जिस स्तर पर आम नागरिक हताहत हुए हैं और कुछ ही दिनों के भीतर बड़े पैमाने पर इलाक़े प्रभावित हुए हैं, वह विशेष रूप से चिन्ताजनक बात है. '1 मई से अब तक, यूक्रेन के 14 क्षेत्रों में 570 से अधिक आम नागरिकों के मारे जाने या फिर उनके घायल होने की ख़बर है।

1 से 5 मई के बीच, रूसी सैन्य बलों ने यूक्रेन के अनेक शहरों पर कई हमले किए. 5 मई को ज़ैपोरिझ्झिया में स्थित एक औद्योगिक इलाक़े में हवाई बमबारी में कम से कम 12 लोग मारे गए और 46 घायल हुए. इसी दिन, क्रामातोर्स्क् और दोनेत्स्क क्षेत्रों के केन्द्रीय इलाक़ों को निशाना बनाया गया, जिनमें 6 लोगों की मौत हुई और 13 घायल हुए.शुक्रवार, 1 मई के बाद से, लम्बी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों और ड्रोन के सिलसिलेवार हमलों में यूक्रेन में बड़ी संख्या में आम नागरिक हताहत हुए हैं. ख़ारकीव ड्निप्रो, ख़ेरसॉन, पोलतावा और ओडेसा क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित बताए गए हैं.कुछ हमलों में, आपात कर्मचारियों और अग्रिम पंक्ति के राहतकर्मियों के मारे जाने या घायल होने की ख़बर है. पहला हमला होने के बाद जब ये राहतकर्मी वहाँ बचाव प्रयासों में जुटे थे, तभी वहाँ दूसरा हमला भी हुआ.पोलतावा क्षेत्र में, 4-5 मई की रात्रि को एक गैस निष्कर्षण केन्द्र पर हुए ऐसे हमलों में आपात सेवाओं के 2 कर्मचारियों के हताहत होने की जानकारी है.ख़ेरसॉन में, 3 मई को कुछ स्वास्थ्यकर्मी कम दूरी तक मार करने वाले एक ड्रोन की चपेट में उस समय आ गए, जब वे पहले एक अन्य ड्रोन हमले से प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता पहुँचा रहे थे. नागरिकों की रक्षा का दायित्वकई हमलों में दिन के समय में शहरी इलाक़ों पर शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जिससे हताहतों की संख्या अधिक होने की आशंका है.मानवाधिकार मिशन की प्रमुख डैनियल बैल ने कहा कि अपनी जान गँवाने वाले या घायल होने वाले अनेक आम नागरिक, अपनी दैनिक गतिविधियों में - कार्यालय जाना, कामकाज करना, ख़रीदारी, चलने-फिरने - में व्यस्त थे या पिर पहले हो चुके हमलों में प्रभावित लोगों को सहायता मुहैया करा रहे थे. 'ऐसी परिस्थितियों में, आम नागरिकों को होने वाले नुक़सान का अनुमान पहले ही लगाया जा सकता है. 'रूसी महासंघ के क़ब्ज़े वाले इलाक़ों में भी 1-5 मई के दौरान हुए हमलों में 10 लोगों के मारे जाने की जानकारी है. इनमें 5 लोगों की मौत क्राइमिया स्वायत्त गणराज्य में हुए एक ड्रोन हमले में हुई थी. इसके अलावा, रूस के चेबॉकसारी में 5 मई को कम से कम 2 लोग मारे गए थे और 35 अन्य घायल हुए थे.यूएन मानवाधिकार निगरानी मिशन ने ध्यान दिलाया है कि अन्तरराष्ट्रीय मानवतावादी क़ानून के तहत, हमला करने वाले पक्ष का यह दायित्व है कि आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए यथासम्भव क़दम उठाए जाएं. इनमें हमले के समय और इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों पर विचार करना भी है

## ट्रंप का बड़ा दावा: नौ युद्ध खत्म कराए, अब रूस-यूक्रेन की बारी; ईरान और हंतावायरस को लेकर कही ये बात

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी कूटनीतिक सफलताओं का दावा करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। ईरान के साथ जारी तनाव और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच राष्ट्रपति ने अपनी उपलब्धियां गिनाई। ईरान के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि ईरान के साथ चीजें अब सही रास्ते पर आ रही हैं।

**रूस और यूक्रेन के बीच शांति की पहल :** राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान युद्धों को समाप्त करने की अपनी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने अब तक आठ युद्ध सुलझाए हैं, वास्तव में नौ युद्ध खत्म किए हैं। अब ऐसा लग रहा है कि हम 10वां युद्ध भी खत्म कर सकते हैं।' ट्रंप ने विशेष रूप से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे लंबे संघर्ष को समाप्त करने की इच्छा जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इन दोनों देशों के बीच जारी भीषण युद्ध को खत्म होते देखना

चाहते हैं। उनके इस बयान को वैश्विक राजनीति में अमेरिका की सक्रिय मध्यस्थता के रूप में देखा जा रहा है।

**हंतावायरस पर सरकार की सतर्कता :** स्वास्थ्य के मोर्चे पर, राष्ट्रपति ने हंतावायरस को लेकर देश को आश्वस्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हंतावायरस के हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं। ट्रंप ने कहा, 'हमारे पास स्थिति पर काबू पाने के लिए बेहतरीन टीम है। विशेषज्ञ इस वायरस को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।' उन्होंने कोविड-19 से इसकी तुलना करते हुए बताया कि हंतावायरस उतनी आसानी से नहीं फैलता है। सरकार के विशेषज्ञ इस पर बहुत बारीकी से नजर रख रहे हैं।

### श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ कपिला घर में मृत मिले

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ कपिला चंद्रसेना शुक्रवार को अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार उनका शव फंदा लगा हुआ मिला।

घटना भ्रष्टाचार मामले में उन्हें जमानत मिलने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। उन पर विमानों की खरीद में रिश्वत लेने का आरोप था। हाल ही में अभियोजकों ने दावा किया था कि चंद्रसेना ने पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को 6 करोड़ श्रीलंकाई रुपये की रिश्वत देने की बात स्वीकार की थी। हालांकि उनके वकीलों ने कहा कि यह बयान दबाव में लिया गया था।

## त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पहुंचे जयशंकर

**त्रिनिदाद , एजेंसी।** भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पहुंच गए हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'त्रिनिदाद और टोबैगो में वापस आकर बहुत खुशी हो रही है। विदेश मंत्री शॉन सोबर्स को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। अगले दो दिनों में एक सफल यात्रा की उम्मीद है।

इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को गुयाना के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. फ्रैंक एंथनी से मुलाकात की। यह मुलाकात जॉर्जटाउन में उनके दौरे के दौरान हुई। दोनों नेताओं के बीच भारत और गुयाना के स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते सहयोग पर चर्चा हुई। जयशंकर इस समय कैरेबियाई देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने पहले जमैका और फिर सूरीनाम का दौरा किया। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत और गुयाना के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है और दोनों देशों के रिश्ते आगे भी बेहतर होंगे। भारत पहले से ही कई देशों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं और मेडिकल तकनीक के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ा रहा है। गुयाना के साथ भी भारत चिकित्सा सहायता और स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास में सहयोग कर रहा है। इस मुलाकात को दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

## ट्रंप प्रशासन का क्यूबा पर शिकंजा: जीएईएसए समेत कई संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध, धन और खाद्य संकट गहराने की आशंका

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नई पाबंदियों का एलान किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि प्रतिबंध क्यूबा की जनता पर नहीं, बल्कि वहां की सत्ता से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर लगाए गए हैं।

**पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना कौन :** नई पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना जीएईएसए बना है, जो क्यूबा की क्रांतिकारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा संचालित विशाल कारोबारी समूह है। इसके अलावा कनाडा की कंपनी शेरिट इंटरनेशनल के साथ चल रहे संयुक्त उपक्रम मोआ निकल पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके बाद शेरिट इंटरनेशनल ने क्यूबा से अपना कारोबार समेटने की घोषणा कर दी, जिससे द्वीप देश में उसकी 32 साल पुरानी मौजूदगी समाप्त हो जाएगी।

**विशेषज्ञों ने क्या जताई चिंता :** विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्रतिबंध क्यूबा की पहले से जर्जर अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाल सकते हैं। क्विंसी संस्थान से जुड़े शोधकर्ता ली श्लेंकर ने कहा कि नई कानूनी शक्तियों के तहत अमेरिका अब तीसरे देशों की कंपनियों और नागरिकों पर भी कार्रवाई कर सकेगा। इसके तहत कंपनियों की अमेरिकी संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं और उनके निवेशकों तथा कर्मचारियों की अमेरिका यात्रा पर भी असर पड़ सकता है। क्यूबा मामलों के विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री पावेल विडाल ने इन कदमों को बेहद चिंताजनक बताया। उनके अनुसार क्यूबा की अर्थव्यवस्था पहले ही लगभग ठप पड़ चुकी है और जनवरी से अमेरिका द्वारा ईंधन आपूर्ति रोके जाने के बाद हालात और खराब हुए हैं। उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंधों के बाद जीएईएसए के साथ जुड़े विदेशी साझेदार भी दूरी बना सकते हैं क्योंकि बहुत कम कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों को चुनौती देने का जोखिम उठाएंगी। विशेषज्ञों के मुताबिक जीएईएसए का क्यूबा की अर्थव्यवस्था पर बेहद गहरा प्रभाव है। यह समूह देश के खुदरा कारोबार, होटल, ट्रैवल एजेंसियों, कार रेंटल सेवाओं, वित्तीय संस्थानों और मुद्रा विनिमय नेटवर्क तक को नियंत्रित करता है। रिपोर्टों के अनुसार जीएईएसए क्यूबा की जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से पर प्रभाव रखता है।

**जीएईएसए का इतिहास :** 1990 के दशक में सोवियत संघ के पतन और अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद क्यूबा की सेना ने इस कारोबारी ढांचे को खड़ा किया था। लंबे समय तक इसका नेतृत्व लुइस अल्बर्टो रोड्रिगेज लोपेज-कालेजा ने किया, जो पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के दामाद थे। उनके निधन के बाद अनिया गिलर्मिना लास्त्रेस को जीएईएसए का नया प्रमुख बनाया गया, जिन्हें अब अमेरिकी ब्लैकलिस्ट में भी शामिल कर लिया गया है।

## इस्राइल-लेबनान के बीच 14-15 मई को अगले दौर की बातचीत, अमेरिकी विदेश विभाग ने दी जानकारी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि इस्राइल और लेबनान के बीच अगले दौर की बातचीत 14 और 15 मई को होगी। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौता करना है। साथ ही इसमें हिजबुल्लाह से जुड़े मुद्दों पर भी बात होगी। अमेरिका इस पूरी बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा।

**क्या बोले अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता :** अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता थॉमस टॉमी पिगॉट ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि आने वाली बातचीत 23 अप्रैल को हुई बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। उस बैठक का नेतृत्व खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। अमेरिका इन दो दिनों की बातचीत में दोनों देशों की सरकारों के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगा।

विदेश विभाग के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधि शांति और सुरक्षा के ढांचे पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें सीमाओं का निर्धारण और लेबनान के लिए मानवीय सहायता जैसे विषय शामिल होंगे। अमेरिका का लक्ष्य पिछले दो दशकों के उन असफल तरीकों को बदलना है, जिनकी वजह से हिजबुल्लाह जैसे उग्रवादी गुट मजबूत हुए। इन गुटों ने लेबनान की सरकारी सत्ता को कमजोर किया और इस्राइल की उत्तरी सीमा के लिए खतरा पैदा किया।

**बातचीत का केंद्र शांति स्थापित करना :** अमेरिका ने साफ किया है कि बातचीत का केंद्र लेबनान की संप्रभुता को बहाल करना और लंबे समय के लिए क्षेत्र में स्थिरता व शांति लाना है। दोनों पक्ष अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार हैं। अमेरिका मतभेदों को दूर करने की कोशिश करेगा ताकि इस्राइल को सुरक्षा और लेबनान को पुनर्निर्माण में मदद मिल सके। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि शांति तभी संभव है जब लेबनान की सरकार का अपनी जमीन पर पूरा अधिकार हो। इसके लिए हिजबुल्लाह का पूरी तरह निहत्था होना जरूरी है। बता दें कि अमेरिका हिजबुल्लाह को एक विदेशी आतंकी संगठन मानता है।

**स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम :** बयान में आगे कहा गया, ये चर्चाएं दशकों से चले आ रहे संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम हैं। पिछले महीने, ट्रंप ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, इस्राइल में राजदूत माइक हकाबी और लेबनान में राजदूत मिशेल इस्सा के साथ एक बैठक के बाद, दोनों पक्षों के बीच 10-दिन के संघर्ष विराम को बढ़ाने की घोषणा की। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि युद्धविराम को तीन हफ्तों के लिए बढ़ाया गया है।

## युद्ध के बीच और ताकतवर हुआ ईरान? कहा- 120 फीसदी बढ़ गया मिसाइलों का स्टॉक, झुकेंगे नहीं

**तेहरान, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब डेडलॉक की स्थिति बन गई है। एक तरफ जहां दोनों पक्षों के बीच सीजफायर को लेकर बातचीत जारी है, वहीं दूसरी तरफ दोनों देश स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक दूसरे के जहाजों पर हमले भी कर रहे हैं। ऐसे में युद्ध खत्म होने की संभावना खत्म हो रही है। इस बीच ईरान ने अमेरिका को एक बार फिर बड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह किसी भी हालत में झुकेगा नहीं। इस दौरान ईरान ने यह भी दावा किया कि वह पहले से ज्यादा ताकतवर हो गया है और उसके मिसाइलों का स्टॉक 120 फीसदी बढ़ गया है। शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह बातें कही हैं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की मिसाइल क्षमता और लॉन्चरों की संख्या काफी बढ़ गई है। अराघची ने लिखा, 'जब भी मेज पर कूटनीतिक समाधान निकल रहा होता है, अमेरिका एक लापरवाह सैन्य दुस्साहस का विकल्प चुनता है। क्या यह दबाव बनाने की घटिया चाल है या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति को एक बार फिर किसी दलदल में धकेलने की कोशिश?

**क्या बोले अराघची :** पोस्ट में उन्होंने वाशिंगटन पोस्ट की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ईरान के पास अब केवल 75 फीसदी लॉन्चर और 70 फीसदी मिसाइल भंडार बचा है। अराघची ने कहा कि ईरान राष्ट्र की रक्षा के लिए 1000 फीसदी तैयार है और 28 फरवरी की तुलना में

उसके मिसाइल स्टॉक 120 फीसदी ज्यादा बढ़ चुके हैं। इस बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) की नौसेना ने शुक्रवार सुबह अमेरिकी जहाजों पर हमले का दावा किया है। ईरान का दावा है कि यह कार्रवाई संघर्ष विराम के उल्लंघन और उसके एक तेल टैंकर के खिलाफ अमेरिकी सेना की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई है। ईरानी नौसेना ने बताया कि खुफिया निगरानी से पता चला है कि इस हमले में अमेरिकी सैन्य जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान का दावा है कि हमले के बाद अमेरिकी सेना के तीन जहाज इस रास्ते से तेजी से पीछे हट गए हैं। वहीं अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार को कहा है कि उसने दो और ईरानी टैंकरों को निष्क्रिय कर दिया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह जहाज अमेरिकी नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे।

**युद्धविराम पर अब भी जारी है चर्चा :** इस बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत जारी है। दोनों देशों के बीच 30 दिनों के लिए युद्धविराम और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के प्रस्ताव पर बातचीत चल रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका अब भी ईरान के जवाब का इंतजार कर रहा है।

# भारत के खिलाफ नेपाल के पीएम बालेन को उकसा रहे विपक्षी दल

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में एक बार फिर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी का मुद्दा गरमा गया है। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सांसदों ने गुरुवार को प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। विपक्ष की मांग है कि सरकार अब सिर्फ 'डिप्लोमैटिक नोट' तक सीमित न रहे और इन क्षेत्रों को 'वापस' लेने के लिए भारत और चीन के साथ उच्च स्तरीय बातचीत शुरू करे। गौरतलब है कि नेपाल इन भारतीय क्षेत्रों पर अपना दावा ठोकता रहा है। भारत इन दावों को खारिज करता रहा है।

**क्या है ताजा मामला :** भारत और चीन ने 2026 के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू करने का फैसला किया है। यात्रा जून से अगस्त तक चलेगी, जिसमें लिपुलेख दर्रे (उत्तराखंड) के रास्ते एक रूट और नाथू ला (सिक्किम) के रास्ते दूसरा रूट शामिल है। नेपाल सरकार का कहना है कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसके क्षेत्र में आते हैं और बिना उसकी सहमति के यात्रा या कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने 1816 की सुगौली संधि का हवाला देते हुए दोनों देशों को अलग-अलग डिप्लोमैटिक नोट भेजे। भारत ने नेपाल के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि लिपुलेख मार्ग 1954 से ही यात्रा के लिए इस्तेमाल होता आ रहा है और यह कोई नई बात नहीं है।

**भारत के खिलाफ नेपाल के पीएम बालेन को उकसा रहे विपक्षी दल :** नेपाली संसद के निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) की अंतरराष्ट्रीय संबंध और पर्यटन समिति की सिंघ दरबार में बैठक हुई। इसी बैठक में विपक्षी सांसदों ने यह मुद्दा उठाया। 'कैलाश मानसरोवर यात्रा' के लिए लिपुलेख मार्ग का इस्तेमाल किए जाने को लेकर वहां के नेताओं में नई बेचैनी देखने

को मिल रही है। वे नेपाल के नए पीएम बालेन शाह पर दबाव डाल रहे हैं कि भारत से सीधी बात करें।

**विपक्षी सांसदों ने क्या-क्या कहा? : आमने-सामने हो बातचीतः** नेपाली कांग्रेस के सांसद संदीप राणा ने कहा कि नेपाल को अब अपने दोनों पड़ोसियों के साथ सीधी 'टेबल टॉक' यानी आमने-सामने बातचीत करने में देरी नहीं करनी चाहिए। राणा ने एक विवादित बयान देते हुए दावा किया, 'लिपुलेख हमारी जमीन है और इसका इस्तेमाल कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए किया जा रहा है। सीपीएन (यूएमएल) की सांसद भूमिका लिंबू सुब्बा ने लिपुलेख पर भारत की प्रतिक्रिया को 'गैर-जिम्मेदाराना' करार दिया। माओवादी सेंटर के सांसद प्रमेश कुमार हमाल ने सरकार से अपील की है कि वह इस मुद्दे पर देश की अन्य राजनीतिक ताकतों को भी अपने साथ ले।

**क्या है भारत का रुख :** आपको बता दें कि जब नई दिल्ली ने कैलाश मानसरोवर यात्रा का ऐलान किया था, उसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक पत्र भेजे थे। भारत ने नेपाल द्वारा किए गए क्षेत्रीय दावों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'एकतरफा और कृत्रिम विस्तार' करार दिया है और इसे पूरी तरह से गलत बताया है। लिपुलेख को लेकर नेपाल की आपत्तियों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में, विदेश मंत्रालय (रूश्व) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने भारत के पूर्व में जारी किए गए बयानों का हवाला देते हुए कहाः कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से इसी मार्ग के जरिए हो रही है। यह कोई नई बात नहीं है। इसलिए स्थिति वहीं है जो पहले थी। उन्होंने आगे कहा, 'यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है... हमने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र का एकतरफा और कृत्रिम विस्तार करने का दावा सही नहीं है। सीमा विवाद पर बातचीत के लिए भारत का रुख नेपाल के साथ अन्य मुद्दों पर चर्चा के बारे में बात करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि नई दिल्ली हमेशा बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'अगर कोई सीमा संबंधी विवाद है, तो हम उस पर भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं। लेकिन, एकतरफा दावा करना सही तरीका नहीं है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.